प्रातःकालीन दैनिक | 8 वर्ष प्रगति निरंतर | नई दिल्ली ■ उत्तर प्रदेश ■ महाराष्ट्र ■ हरियाणा ■ उत्तराखंड ■ राजस्थान ■ मध्यप्रदेश सहित राज्यों में प्रसारित | निष्पक्ष निर्भीक पत्र

RNI- DELHIN/2016/71693

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

श्रीजी एक्सप्रेस

वर्ष : 09 | अंक : 233 | नई दिल्ली, सोमवार 03 मार्च 2025 | फाल्गुन शुक्ल चतुर्थी , विक्रम संवत 2081 | पेज : 8 | मूल्य: ₹ 2 रुपये | www.shreejiexpress.com | Email-shreejiexpress2013@gmail.com

सियासती मौत | कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल के हत्यारे की तलाश शुरू

हाथों में मेहंदी...सूटकेस में लाश, हरियाणा में हड़कंप

चंडीगढ़/रोहतक (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा में दिखने के बाद सुर्खियों में आई हिमानी नरवाल की हत्या पर जहां हरियाणा की राजनीति गरमा गई है तो वहीं दूसरी ओर पुलिस की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। हिमानी नरवाल के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि हिमानी नरवाल को मौत से पहले खूब पीटा गया। इसके बाद उसकी गला घोंटकर हत्या की गई। पुलिस अभी तक आरोपियों को नहीं पकड़ पाई है। पुलिस के अनुसार इस मामले की जांच सभी एंगल से की जा रही है। रोहतक के सांपला कस्बा के बस स्टैंड के पास 1 मार्च की सुबह नीले रंग का लावारिस सूटकेस मिला था। पुलिस ने जब सूटकेस खोला तो उसमें एक युवती का शव था। बाद में बॉडी के पहचान कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल के तौर पर हुई थी। हिमानी नरवाल की मां सविता ने इंसाफ की मांग की है। मां ने हत्या कर शव सूटकेस में भरकर फेंकने का आरोप लगाया है।

● मां का कांग्रेस के ऊपर फूटा गुस्सा लगाए गंभीर आरोप

उन्होंने कहा कि मेरी बेटी से लोग रंजिश रखते थे। लोगों को लगता था कि ये इतनी छोटी सी उम्र में कैसे इतनी आगे निकल गई। उन्होंने बेटी की हत्या के पीछे पार्टी के किसी सदस्य के ऊपर भी शक जताया है। हिमानी की मां ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मेरी बेटी को न्याय मिलना चाहिए, क्योंकि मेरी बेटी ने छोटी सी उम्र में बहुत कुछ दांव पर लगाया था। जब उनसे पूछा गया कि हत्या के पीछे कौन हो सकता है। इस पर हिमानी की मां ने कहा कि मैं तो किसी को जानती नहीं हूं, लेकिन पार्टी के बहुत से लोग मेरे घर आते थे। ऐसे में इसके पीछे किसी का भी हाथ हो सकता है। सरकार और प्रशासन से अनुरोध है कि वो मेरी बेटी को न्याय दिलवाएं। हिमानी की मां ने कहा कि मैं बेटी के साथ 27 फरवरी की शाम 4 बजे तक थी। इसके बाद मैं घर से गई। 28 को फोन किया तो फोन बंद आ रहा था। काठमंडी में एक प्रोग्राम था, जिसमें हुड्डा साहब आने वाले थे।

जयपुर में शाहरुख माधुरी, शाहिद अपने नाम के लगाएंगे पौधे

बॉलीवुड स्टार

सेलिब्रिटी तैयार करेंगे आईफा गार्डन, 8 मार्च से समारोह

जयपुर (एजेंसी)। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा-25) अवॉर्ड्स इस बार खास होंगे। जयपुर में 8 और 9 मार्च को होने जा रहे इन अवॉर्ड्स से पहले बॉलीवुड स्टार्स और सेलिब्रिटी एक आईफा गार्डन भी

बनाएंगे। करीब 15 हजार पौधों से तैयार होने वाले इस गार्डन में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, शाहिद कपूर और कार्तिक आर्यन भी पौधे लगाएंगे। इन पौधों का नाम भी स्टार्स के नाम पर रखा जाएगा। जयपुर के जेईसीसी बनने वाले इस गार्डन के अभियान में आम लोग भी जुड़ सकते हैं। वहीं, आईफा अवॉर्ड का इनविटेशन कार्ड भी जयपुर में ही डिजाइन किया गया है। करीब 7 किलो वजन वाले इस कार्ड में जयपुर के फेमस टूरिस्ट प्लेस और आर्टिफैक्ट्स की भी झलक है। इंडियन फिल्म एकेडमी के मेंटरशिप में चैलेंज फॉर ग्रीन पहल के तहत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मणिपुर | राष्ट्रपति शासन लगते ही बदलाव

पहले हथियार लौटाए अब खोलेंगे सारे रास्ते

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगते ही बदलाव दिखने लगे हैं। पहले तो सेना से लूटे गए हथियार लौटाए गए और अब राज्य के सभी बंद रास्तों को खोलने की तैयारी है। केंद्र सरकार ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। इससे कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो गई थी। गृह मंत्रालय के अनुसार, मणिपुर विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, राष्ट्रपित शासन के तहत मणिपुर को लेकर केंद्र ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या हिंसा में सुलझ रहा मणिपुर अब शांति के रास्ते पर चल पड़ा है।

राष्ट्रपति शासन में दिखने लगे बदलाव के संकेत

सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए, लेकिन हिंसा पूरी तरह रुक नहीं पाई। इस बीच, मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। 2 साल से ज्यादा तक चले सामुदायिक हिंसा के दौर के बाद अब हालात सुधार तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति शासन लगने के बाद पहली बार सेना के सीनियर अधिकारी ने मणिपुर का दौरा किया। भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल मिलिटरी ऑपरेशन लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने मणिपुर और भारत म्यांमार बॉर्डर पर हालातों का जायजा लिया।

लूटे गए और अवैध हथियार लौटाए जा रहे

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लूटे गए और अवैध हथियारों को पुलिस को सौंपने की समयसीमा 6 मार्च तक बढ़ा दी है। यह समयसीमा पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों के लोगों की अतिरिक्त समय दिए जाने की मांग के बाद बढ़ाई गई। साथ ही, आश्वासन दिया गया कि इस अवधि के भीतर अपने हथियार सौंपने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। राज्य के छह जिलों में लोगों ने कुल 104 हथियार और गोलाबारूद पुलिस को सौंपे गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये हथियार कांगपोकपी, इंफाल-पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, इंफाल-पश्चिम और काकचिंग जिलों में सौंपे गए। प्रशासन की ओर से हथियार सौंपने के लिए 7 दिन का समय दिया गया था, जिसके समाप्त होने से एक दिन पहले यह हथियार पुलिस को सौंपे गए। बता दें कि मणिपुर में हिंसा मई 2023 में भड़की, जिसका मुख्य कारण मेतेई समुदाय और कुकी जनजाति के बीच बढ़ता सामुदायिक तनाव था। यह तनाव भूमि, संसाधनों, और राज्य सरकार की ओर से अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग को लेकर उत्पन्न हुआ।

जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़

● वीडियो बना रहे थे शोहदे, मना करने पर की मारपीट, मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ छेड़छाड़ की गई। यहां के मुक्ताई नगर इलाके में आयोजित ऐसे मेले में गई केंद्रीय मंत्री बेटी और उसकी सहेलियों से मनचलों ने छेड़खानी की। रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में खुद रक्षा मंत्री खडसे ने मुक्ताई नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए डीएसपी कृष्णत पिंगले ने बताया कि 28 फरवरी (शुक्रवार) को कोथली गांव में एक यात्रा थी। इसी यात्रा में आरोपी अनिकेत घुई और उसके 7 दोस्तों ने 3-4 लड़कियों के साथ छेड़खानी की। इन लड़कियों में एक केंद्रीय खेल मंत्री की बेटी थी व अन्य उसकी सहेलियां थीं। उन्होंने बताया कि हमने पॉक्सो (प्रिवेंशन ऑफ चाइल्ड फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस) एक्ट के साथ-साथ आईटी (इन्फॉर्मेशन) एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें भेजी गई हैं।

खडसे ने कहा, परसों रात मेरी बेटी मेले में गई थी और यह घटना घटी। कुछ लड़कों ने उसे परेशान किया। वहीं, पूर्व मंत्री और रक्षा के ससुर एकनाथ खडसे ने कहा कि पुलिस को पहले भी इन युवकों के खिलाफ कई शिकायतें मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा, ये लड़के खूंखार अपराधी हैं।

तमिलनाडु, तेलंगाना के बाद अब पंजाब में कोहराम

तीन भाषा फॉर्मूला के खिलाफ खोला मोर्चा, केन्द्र भी हो गया ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा के अधिकार के तहत योजनाओं के लिए केंद्रीय फंड को रोके रखने और मोदी सरकार द्वारा इन फंड को राज्यों की तरफ से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से जोड़ने के खिलाफ तमिलनाडु के विरोध ने 'भाषा युद्ध' को फिर से भड़का दिया है। यह अभी बीजेपी और डीएमके के बीच एक पूर्ण टकराव है। हालांकि, इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि क्या यह अन्य खिलाड़ियों को पक्ष लेने के लिए मजबूर कर सकता है, जिससे पहले से ही अस्थिर राजनीतिक मिश्रण और भी उग्र हो सकता है। जब सीएम एम के स्टालिन ने 2,512 करोड़ जारी करने की मांग की, तो केंद्र ने तमिलनाडु में एनईपी को लागू न करने की ओर इशारा किया।

उत्तराखंड में तीन दिन बाद 3 और शव मिले

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में 28 फरवरी को आए एवलांच में फंसे मजदूरों को निकालने का काम तीसरे दिन भी जारी है। डिफेंस पीआरओ ने बताया कि अब तक

अब तक 7 मजदूरों की मौत, 1 की तलाश जारी

54 लोगों में से 53 लोगों को निकाला जा चुका है, इनमें से 7 की मौत हो चुकी है। पहले लापता मजदूरों की संख्या 55 बताई गई थी, लेकिन शुक्रवार को पता चला कि हिमाचल के कांगड़ा का रहने वाला सुनील कुमार बिना बताए कैंप से अपने गांव चला गया था। परिवार ने इसकी जानकारी दी। रविवार को मौसम ठीक होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन जल्द

शुरू हुआ। ड्रोन, रडार सिस्टम, स्निफर डॉग, विक्टिम लोकेटिंग और थर्मल इमेज कैमरा से सर्चिंग की जा रही है। 7 हेलीकॉप्टर भी लगाए गए हैं।

होली बाद हो सकता है योगी मंत्रिमंडल का विस्तार, तैयारी

● संगठन से लेकर सरकार में जातीय समीकरणों का रखा जाएगा ध्यान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी दल बीजेपी संगठन और योगी सरकार में बड़े बदलाव की संभावना है। संगठन से लेकर सरकार तक के लिए मार्च का महीना बेहद महत्वपूर्ण है। चर्चा है कि प्रदेश स्तर के पार्टी के एक बड़े पदाधिकारी की संगठन से छुट्टी होने के बाद उन्हें सरकार में घर वापसी कराई जा सकती है। साथ ही 5-6 नए चेहरों को भी योगी सरकार का हिस्सा बनाया जा सकता है। सूत्रों की माने तो होली के बाद योगी कैबिनेट में विस्तार हो सकता है। लेकिन उससे पहले संगठन में बदलाव होने की पूरी-पूरी संभावनाएं जताई जा रही है। मिशन 2027 के तहत संगठन से लेकर सरकार तक में जातीय समीकरणों का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

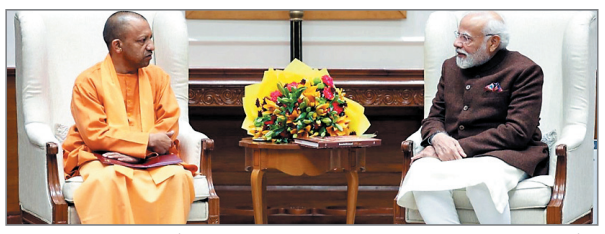

मायावती ने आकाश आनंद से फिर छीना उत्तराधिकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर जहां एक तरफ राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुट गए हैं, दूसरी ओर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के पर कतर दिए हैं। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकार समेत सभी पदों से हटा दिया है। मायावती के इस कदम के बाद यूपी की राजनीति गरमा गई है। इसके साथ ही बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है।

जादवपुर यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव की मांग पर भारी हंगामा

● छात्रों ने शिक्षा मंत्री को घेरा, कार के पीछे दौड़े; प्रदर्शन के दौरान छात्र घायल हुआ

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता की जादवपुर यूनिवर्सिटी में तत्काल छात्र संघ चुनाव कराने की मांग पर हंगामा हुआ। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया सहित दूसरे स्टूडेंट फ्रंट्स ने राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु का घेराव किया। उनकी कार की पीछा किया। दावा किया गया कि इस दौरान मंत्री की कार में तोड़फोड़ की गई। हालांकि एसएफआई ने इस आरोप को गलत बताया है। दरअसल, शिक्षा मंत्री बसु विवि की सालाना होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए कॉलेज पहुंचे थे। एसएफआई और दूसरे स्टूडेंट फ्रंट्स को जब इसकी जानकारी मिली तो वे अपनी मांगों को लेकर यूनिवर्सिटी कैंपस पहुंच गए। इसके बाद सभी स्टूडेंट्स उस हॉल के बाहर जुटने लगे जहां इसकी बैठक होने वाली थी। मंत्री को इसकी जानकारी मिली तो दूसरे गेट से यूनिवर्सिटी में दाखिल हुए। बाद में उन्होंने स्टूडेंट्स से मुलाकात की। इस दौरान छात्रों ने उन्हें घेर लिया और अपना डिमांड लेटर सौंपा। दावा किया गया कि मंत्री छात्रों की पूरी बात सुने बिना अपनी गाड़ी में बैठ कर जाने लगे। इसी दौरान सैकड़ों छात्रों ने कार को घेर लिया।

सख्ती | अंदर नहीं जाएगा एक भी सामान, सभी सहायता पर लगाई रोक

रमजान शुरू होते ही गाजा में इजरायल का कहर

● हमास ने इजरायल पर लगाया समझौते को बिगाड़ने का आरोप

यरुशलम (एजेंसी)। इजरायल ने कहा है कि वह गाजा में भेजी जाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय सहायता पर रोक लगा रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इजरायल अब गाजा में किसी भी तरह का सामान नहीं जाने देगा। यह फैसला ऐसे समय शुरू हुआ है, मुसलमानों का पवित्र धार्मिक महीना रमजान शुरू हुआ है। इसके लिए हमास के संघर्ष विराम को बढ़ाने से इनकार का हवाला दिया गया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल अपने बंधकों की रिहाई के बिना संघर्ष विराम की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने साथ ही धमकी दी कि अगर हमास ने संघर्ष के विराम के विस्तार के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो उसे 'आगे के परिणाम' भुगतने होंगे। हमास ने इजराइल पर नाजुक संघर्ष विराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता बंद करने का उसका फैसला 'जबरन वसूली का घटिया हथकंडा, युद्ध अपराध और (संघर्ष विराम) समझौते पर हमला है।' इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी।

दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल के अपनी सेना वापस बुलाने और स्थायी युद्ध विराम के बदले में हमास दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करेगा। इससे पहले इजरायल ने कहा कि वह संघर्ष विराम के पहले चरण को रमजान और पासओवर (यहूदी त्योहार) या 20 अप्रैल तक बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करता है। उसने कहा कि यह प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन के मध्यपूर्व दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है।

शेहला राशिद पर अब नहीं चलेगा देशद्रोह का मुकदमा

● एलजी ने केस चलाने की मंजूरी वापस ली, आर्मी के खिलाफ ट्वीट करने का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की अदालत ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला राशिद के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा वापस लेने की मंजूरी दे दी। चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अनुज कुमार सिंह ने 27 फरवरी को अभियोजन पक्ष की ओर से दायर एप्लीकेशन पर यह आदेश दिया। एप्लीकेशन के मुताबिक दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) ने शेहला के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी वापस ले ली है। एलजी ने 23 दिसंबर, 2024 को शेहला पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। अब एक स्क्रीनिंग कमेटी की सिफारिश पर यह मंजूरी वापस ले ली है। शेहला के खिलाफ 2019 में देशद्रोह और दंगे भड़काने के आरोप में मामला दर्ज हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

प्रथम चरण की ई-लाटरी पांचजन्य प्रेक्षागृह में 6 को

मथुरा(श्रीजी एक्सप्रेस)। जिलाधिकारी लाइसेंस प्राधिकारी (आबकारी अनुभाग) चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि 06 मार्च को प्रथम चरण की ई-लाटरी कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में होना प्रस्तावित थी, जो कि कानून एवं शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत उक्त ई-लाटरी पांचजन्य प्रेक्षागृह डैम्पीयर नगर मथुरा में 06 मार्च को मध्यान्ह 12 बजे से अपरान्ह 1.45 बजे तक सम्पन्न की जानी है। ई-लाटरी स्थल के सम्पूर्ण परिसर में केवल आवेदक द्वारा ही प्रवेश किया जायेगा, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं। इस हेतु परिसर के गेट पर पहचान की जायेगी। पहचान हेतु आवेदक का ई-लाटरी पोर्टल से निर्गत फोटोयुक्त पंजीकरण स्लिप मान्य होगा। प्रत्येक व्यक्ति की नियमानुसार तलाशी की जायेगी, कोई भी व्यक्ति शस्त्र या अन्य असलहा लेकर ई-लाटरी परिसर में प्रवेश न करे। महिला आवेदक की तलाशी महिला पुलिस कर्मियों द्वारा की जायेगी।

सामूहिक विवाह समारोह में 8 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे

बलदेव। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल रिसोर्ट में हुआ। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष संयोजक उमेश अग्रवाल ने बताया इसमें 8 जोड़े शादी के वैवाहिक बंधन में बंध गए। वैवाहिक कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। अग्रवाल समाज के सामूहिक विवाह समारोह में सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर भरपूर कन्यादान किया। शुभारंभ मुख्य अतिथि बालयोगी ब्रह्मानंद महाराज, स्वामी प्रवेशानंदपुरी महाराज ने आशीर्वचन दिया। ब्लाक प्रमुख प्रतीक सिंह भरंगर, विधायक पूरन प्रकाश ने जोड़ों को आशीर्वाद सामूहिक विवाह समारोह की सराहना व प्रसंशा कर कहा इसमें सभी समाजसेवियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। सामूहिक विवाह समारोह बड़ा पुनीत कार्य है। अग्रवाल समाज अध्यक्ष संयोजक उमेश अग्रवाल, सुदीप बंसल, संजीव गोयल, विकास अग्रवाल, विनोद गर्ग, जगदीश अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, बौली सेठ, गोविंद अग्रवाल आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। इस दौरान चेयरमैन डॉ मुरारी लाल अग्रवाल, राकेश गर्ग, विशाल गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, प्रवीन, रोहित मोदी, डॉ के के अग्रवाल, तुलसीराम, ऋषि गोयल, मोनू अग्रवाल, बांके लाल अग्रवाल, छैल बिहारी अग्रवाल आदि थे। संचालन पवन गोयल ने किया। आभार व धन्यवाद उमेश अग्रवाल व सुदीप बंसल ने किया।

सतोहा गांव में फायरिंग से दहशत, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के अंतर्गत गोवर्धन रोड पर स्थित गांव सतोहा में सुबह-सुबह गोलियां चलने से सनसनी फैल गई। सुबह 4 बजे कुछ लोग गोलियां चलाने लगे सरेआम फायरिंग करने की ये घटना वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव सतोहा निवासी गौतम सिंह ने पुलिस को तहरीर में लिखा है कि वह घर पर सोया हुआ था। तभी उसने सुबह करीब 4 बजे के बंटी, जयदीप पुत्र गिरधर और अन्य अज्ञात लोगों ने गाली गलौज करते हुए सीधे घर पर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के निशान दुकान की शटर और घर की दीवारों पर लगे हुए हैं। फायरिंग की आवाज सुनकर जागे पीतम ने इसकी सूचना पीआरबी 112 को दी। सूचना मिलने पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले हमलावर भागने में सफल रहे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके से खाली कारतूस बरामद किए। पीतम का आरोप है कि यह फायरिंग जान माल का नुकसान करने और लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए की गई। वारदात की सूचना मिलती ही थाना हाईवे पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की रिकॉर्डिंग को देखा। जिसमें एक कैमरे में सरेआम फायरिंग करता हुआ एक व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने पीतम से तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवती को बहला फुसलाकर ले जाने पर एसपी से की शिकायत

हाथरस। कोतवाली सासनी क्षेत्र के एक गांव में एक युवती को उसके ही गांव का एक युवक बहला फुसलाकर ले गया। जिसकी रिपोर्ट पीड़िता के पिता ने कोतवाली में कराई मगर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर पीड़िता ने पुलिस कप्तान चिरंजीव नाथ सिंन्हा से गुहार लगाई है। पीड़िता के पिता ने पुलिस कप्तान से गुहार लगाते हुए कहा है कि उसकी करीब बीस वर्षीय पुत्री को गांव का ही युवक बहला फुसला कर ले गया है। काफी तलाशने के बाद भी उसकी पुत्री का कोई पता नहीं चला है। पिता ने कोतवाली में भी पुलिस से शिकायत की है। एसपी से शिकायत में आरोप लगाते हुए कहा गया है कि इलाका पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न कर पीडित को ही परेशान कर रही है। पीडित ने एसपी से अपनी पुत्री की तलाशने एवं आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

सदर विधायक ने किया सासनी नानऊ मार्ग का शुभारम्भ

हाथरस। करीब एक दशक से जख्मी पड़ा सासनी-नानऊ मार्ग का पुनर्निर्माण के लिए लोगों का आंदोलन कामयाबी की ओर बढा तो जनप्रतिनिधियों की नींद खुली और सडक का पुन: निर्माण शुरू कराया गया। जिसका सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर ने लोकार्पण करते हुए लोगों के आवागमन का शुभारंभ कराया। रविवार को सदर विधायक अंजुला माहौर ने नगला ताल में सासनी-नानऊ मार्ग पर लोगों का आवागमन हेतु विधिवत पूजा अर्चना और नारियल फोडकर किया। बता दें कि सडक निर्माण कार्र शहर की प्रतिष्ठित कंस्ट्रक्शन कंपनी बालाजी कंस्ट्रक्शन द्वारा लगभग दस करोड़ की अनुबंधित लागत किया जा रहा है। जिसे समय से संपन्न कराने की पूर्ण जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता संजीव कुमार वर्मा द्वारा ली गई है। निर्माण कार्र की गुणवत्ता के लिए कर्मठ अधीनस्थ अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इस उपस्थिति में निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव आर्य, राकेश शर्मा राजा जी, जिला उपाध्यक्ष अविनाश तिवारी, प्रेम सिंह कुशवाहा, निर्देश चंद्र वार्ष्णेय, विपुल लुहाड़या, अर्जुन सिंह, प्रमोद मानवत, मंडल अध्यक्ष आकाश सिंह, प्रदीप शर्मा, स्मृति पाठक, मूलचंद, योगेश कुमार सिंह, शिव देव दीक्षित, विवेक रावत, नीतू, कुंवर कन्हैया सिंह तोमर, विक्रम जादौन, कोमल सिंह तोमर, राजकुमार शर्मा, राम बिहारी शर्मा, मनोज श्रुति, विमल उपाध्याय प्रधान, अजब सिंह जी, ओम प्रकाश चैधरी, शिवकुमार प्रधान, ममता माहौर प्रधान, हरवीर सिंह प्रधान, बनी सिंह, भू प्रकाश, प्रेम सिंह कुशवाह पूर्व प्रधान, मुकेश शर्मा प्रधान, महावीर दिवाकर, एवं अन्य लोग मौजूद थे।

नशे के लिए दिनभर कबाड़ा बीनता है युवा

हाथरस। बाजारों में सड़कों पर पन्नी पिलास्टिक आदि बीन रहे बड़ी संख्या में युवा सिर्फ गरीबी के लिए ये काम नहीं करते। पूरे दिन सड़क हो या नालियां इनसे कबाड़ा एकत्र करने के बाद शाम होने पर इस कबाड़ की दुकान पर बेच देते है।

इस कबाड़ को बेचने के बाद वो तीन सौ से पांच सौ रूपए कमाते है, पर इससे वो इस पैसे को अपने परिवार के लालन पालन या अपने कपड़े, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए खर्च नहीं करते वो इस पैसे से नशे का इंजेक्शन खदीद कर लगा लेते है। एसे कबाड़ बीन रहे युवा से जब हमने बात की तो उसने बताया कि उसके आगे पीछे कोई नहीं है, वो स्मैक लेता है, जिसके लिए पैसों की जरूरत को पूरा करने के लिए वो पूरे दिन सड़कों से कबाड़ा बीनता है, और शाम होते ही उसे कबाड़े की दुकान पर बेच देता है।

युवा ने बताया कि वो दिन में चार सौ से पांच सौ रूपए कमा लेता है, जिसे वो नशे में खर्च कर देता है। रात नशे में निकल जाती है, सुबह होते ही वो फिर से कबाड़ा बीनने के काम पर लग जाता है, खाना कहीं न कहीं मिल ही जाता है। ये देश का भविश्य है जो अपने या अपने परिवार और देश के लिए न सोच नशे की लत में अपने जीवन को लगा रहा है। नगर में एक दो नहीं दर्जनों एनजीओ समाज सेवा के लिए काम करने का दावा कर फोटो कराती है, पर सच्ची समाज सेवा युवाओं को लेकर किसी का ध्यान इनकी ओर नही जाता।

ब्रज प्रेस क्लब का धूमधाम से मना होली मिलन महोत्सव

विधायक, अधिकारी, पूर्व मंत्री थिरके

होली की मस्ती में नजर आये ब्रज के गणमान्य

मथुरा। श्रीजी एक्सप्रेस

ब्रज प्रेस क्लब एवं सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (सिम्स हॉस्पीटल) द्वारा आयोजित होली मिलन महोत्सव का कार्यक्रम डेंपीयर नगर स्थित होटल हीरा क्रिस्टल के सभागार में धूमधाम से मनाया गया। होली के मस्ती भरे गीत-संगीत पर पूर्व मंत्री, विधायक, अधिकारी एवं गणमान्य भाव विभोर होकर होली की मस्ती में झूमते नजर आए।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व ऊर्जा मंत्री एवं विधायक श्रीकान्त शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर के किया। इस अवसर पर ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकान्त उपमन्यु एडवोकेट एवं सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (सिम्स हॉस्पीटल) के चैयरमैन डा. गौरव भारद्वाज द्वारा महोत्सव में पधारे सभी गणमान्य अतिथियों का पटुका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सुस्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव पवन नवरत्न एवं गोविन्द भारद्वाज द्वारा किया गया। ब्रज की प्रसिद्ध दानीराम शर्मा की रास एवं भजन संगीत मंडली द्वारा ठाकुरजी स्वरूप में ठाकुरजी की होली पुष्प वर्षा के साथ खेली गई। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एएस वाजपेयी के स्वर्गगमन पर दो मिनट का मौन रखकर सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। डा.पंकज शर्मा, डा. पंकज चौधरी, डा.शिखा, डा. सारिका, डा.दिशा, डा. आशीष शर्मा, डा. अर्पित अग्रवाल ने कार्यक्रम में पधारे सभी गणमान्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, पूर्व ऊर्जा राज्यमंत्री रविकान्त गर्ग, विधायक पूरन प्रकाश, विधायक ठा.मेघश्याम सिंह, विधायक राजेश चौधरी, जिले के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, डीआईजी/एसएसपी शैलेन्द्र कुमार पांडेय, एसपी सिटी डा. अरविन्द कुमार, एसपी ट्रेफिक मनोज कुमार यादव, पूर्व जिला जज उमाशंकर शर्मा, एमबीडीए के सचिव अरविन्द द्विवेदी, सीओ सिटी भूषण वर्मा, एआरटीओ मनोज वर्मा, महिला थाना प्रभारी संचना सचान, एंटी रोमियो प्रभारी अलका रानी, बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता नंद किशोर उपमन्यु, अजय सिंह एडवोकेट, सार्थक चतुर्वेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम सिंह, रालोद नेता कुं. नरेन्द्र सिंह, ठा.मुकेश सिंह सिकरवार, योगश द्विवेदी, स्पेशल डीजीसी अलका उपमन्यु एडवोकेट, विशेष लोक अभियोजक रामपाल सिंह, एडीजीसी खंडग सिंह छौंकर, पूर्व एडीजीसी महेश गौतम, छाया गौतम, प्रतिभा सिंह, भावना शर्मा, रागिनी गांधी, पिंकी द्विवेदी, ममता भारद्वाज, चंद्रकांता भदौरिया, संगीता शर्मा, बबिता सिंह सिसौदिया, दीपा चतुर्वेदी, पूजा कौशिक, विदुषी शर्मा, सरोज वशिष्ठ, सरोज गोला, चंचल यादव, कनक गुप्ता, रेखा यादव, छीतर सिंह एडवोकेट, पूर्व महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, सचिव शिव कुमार लवानियां, डीजीसी क्राइम ठा. शिवराम सिंह तरकर, समाजसेवी देवेन्द्र कुमार गौतम गुड्डू भैया, प्रमोद गर्ग कसेरे, विनोद गर्ग कसेरे, डा. अशोक अग्रवाल, मनोज कुमार शर्मा बॉबी भैया, जिला भाजपायुवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष यज्ञदत्त कौशिक, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश सचिव पवन हिंडोल, आरएसएस के अधिकारी कमल कौशिक, स्पेशल डीजीसी अलका उपमन्यु एडवोकेट, पीएम मोदी अगेन मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल काका, दिनेश शर्मा, भाजपा नेता संजय गोविल आदि गणमान्य होली के संगीत पर झूमते नजर आए।इस अवसर पर किशन चतुर्वेदी, अमित मुद्गल, विनीत शर्मा, दिलीप चतुर्वेदी, पवन नवरत्न, कन्हैया अग्रवाल, धर्मेन्द्र चतुर्वेदी, मदन गोपाल शर्मा, मोहन श्याम रावत, ठा. नागेन्द्र राठौर, गौरव चौधरी, धाराजीत सारस्वत, सूचना विभाग के नारायण सिंह, गिरधर पचौरी, महेश सिंह, चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार आदि

आइपीएल सट्टा बुकी पकड़ा, मोबाइल, लेपटॉप किए बरामद

हाथरस। जनपद में सट्टा फल फूल रहा है अब चाहे वो आईपीएल मैचों का हो या पैसों के बदले पेसा कमाने का सट्टा कारोबार खूब फल फूल रहा है। सट्टेबाज हर गेंद पर दांव चल रहे हैं। सट्टे की लत युवाओं को कंगाल कर रही है। जबकि इसे इस धंधे में जुड़े लोग मालामाल हो रहे हैं, पुलिस आये दिन इन्हे पकड़ कर जेल भेज देती है, पर इनका मुख्य सरगना और इसके कारोबार से उसकी दूरी बनी हुई, लोगों के घर बरबाद हो रहे है, पूरे दिन मजदूरी करने के बाद पैसा लेकर घर नही पहुचता वो अपनी किस्मत को चमकाने के लालच में वो पैसा सट्टा खेलने में लगा देता है, और घर पर पत्नी बच्चों को खाल पेट ही सोना पड़ता है। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ के आदेश पर कार्यवाही करते हुए हाथरस जिले में आईपीएल के दौरान सट्टेबाजी का खेल करने वाले एक बुकी को एसओजी और पुलिस की टीम ने पकड़ा है।

पकड़े गए बुकी के कब्जे से पुलिस ने 10 से अधिक मोबाइल, लैपटॉप सहित ऑनलाइन बेटिंग से जुड़ी चीजें बरामद की है। वहीं, सीओ सिटी ने एसओजी और भारी पुलिस बल के साथ पकड़े गये व्यक्ति का नाम पीयूष मित्तल बताया जा रहा है, जिसके पास से आईपीएल बुकी में इस्तमाल होने वाली चीजें तलाशी में पुलिस को क्रिकेट जुडे महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले है। पुलिस की अचानक कार्यवाही से इलाके में हड़कंप मच गया। सदर कोतवाली क्षेत्र के चूड़ी वाली गली में रहने वाले पीयूष मित्तल पुत्र विनोद मित्तल के घर पर देर रात पुलिस ने अचानक दबिश दे दी। पुलिस ने आईपीएल मैचों में ऑनलाइन सट्टेबाजी कराने वाले एक बुकी पीयूष मित्तल को हिरासत में लिया है। बुकी के घर में छापेमारी के दौरान पुलिस दस से अधिक मोबाइल फोन, लैपटॉप, कैश भी बरामद किया है।

वहीं बताया जा रहा है कि पुलिस को सटोरिए के घर से एक दो दर्जन से अधिक जमीन के कागज भी बरामद किए हैं, जो सट्टेबाजी में हराए गए लोगों के बताए जा रहे है। पकड़े गए क्रिकेट सटोरिए के तार कई अन्य राज्यों के बड़े बुकियों से भी जुड़े बताए जा रहे हैं। हाथरस पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि थाना कोतवाली सदर पुलिस एवं एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में थाना कोतवाली सदर क्षेत्रांतर्गत ऑनलाइन एप्प के माध्यम से बैटिंग लगवाकर लोगो के साथ ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए गैंगलीडर आरोपी की गिरफ्तारी तथा लाखों की नगदी तथा करोड़ों के बैनामा आदि की बरामदगी की है, इस गैंग के अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

आंगनबाडी कार्यकत्रियों के 172 रिक्त पदों पर होगा चयन

हाथरस। श्रीजी एक्सप्रेस

जिला कार्यक्रम अधिकारी डीके उपाध्याय ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपदमें कुल 172 आंगनबाडी कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही प्रचलित है। जिसमें शासनादेशानुसार चयन प्रक्रिया में शास्म सर्व प्रथम बीपीएल विधवा, तलाकशुदा, परित्याक्यता, एवं अन्य बीपीएल की आवेदिकाओं को प्राथमिकता दी जायेगी, यदि सम्बन्धित ग्राम पंचायतध्वार्ड में बीपीएल का आवेदन प्राप्त नही प्राप्त होते है तो तत्पष्चात एपीएल की विधवा, तलाकषुदा, परित्याक्यता को नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर की वरीयता दी जायेगी। षासन द्वारा निर्धारित ऑनलाइन भर्ती पोर्टल पर अभ्यर्थी द्वारा आवेदन करते समय अंकन किये गये इन्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक में प्राप्तंकों के आधार पर चयन की कार्यवाही की जा रही है। निदेषालय द्वारा भर्ती पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों में अंकित प्राप्तंकों के आधार पर जनपदवार मैरिट सूची तैयार करते हुए सम्बन्धित जनपदों को प्रस्तुत की गयी है, जिसमें चयन समिति के सदस्यों के द्वारा प्राप्त आवेदन सूची में अंकित निवास, आय एवं जाति प्रमाण-पत्रों का सत्यापन ई0-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से कर लिया गया है, तत्पष्चात उक्त अर्हता को पूर्ण करने वाले तीन अम्यर्थी को चयन समिति के द्वारा उनके मूल षैक्षिक अभिलेखां एवं अन्य प्रमाण-पत्रों से मिलान करने हेतु विकास भवन सभागार में बुलाया गया है। जनपद में आंगनबाडी कार्यकत्री भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन एवं पारदर्षिता से की जा रही है। अभ्यर्थीगण किसी के बहकावे में न आए। यदि किसी को कोई समस्या या षिकायत है तो जनपद के विकास खण्ड स्तर पर संचालित बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालयों एवं विकास भवन स्थिति कमरा न0 219 जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में कार्यालय समय पर संपर्क कर सकते है।

अवैध तमंचे के साथ किया गिरफ्तार

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के आदेश पर फरार, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना हाथरस गेट पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए कृष्णा शर्मा पुत्र श्री अशोक शर्मा निवासी मौहल्ला श्रीनगर को लहरा बम्बा रोड़ से गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर व दो जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए है। क्षेत्राधिकारी योगेन्द्र कृशण नारायण ने बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना हाथरस गेट पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर से निकाले जाने की मांग : फैज

चांदपुर। गंगा एक्सप्रेस वे बिजनौर से निकाले जाने की उठाई जा रही मांग ने अब तेज़ी पकड़ रही है। जिलेभर मे इसकी जबरदस्त मांग को लेकर हर बिजनौर वासी सहमती जता रहा है लगभग सभी राजनीतिक दल व सामाजिक संगठन गंगा एक्सप्रेसवे को बिजनौर में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के सक्रिय नेता एडवोकेट मोहम्मद फैज़ ने कहा कि खुद सीएम नजीबाबाद मे एक सभा मे गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर जिले से निकाले जाने का वायदा किया था और अब मौका भी है यह एक्सप्रेस बिजनौर से ही निकले तो जनपद बिजनौर का विकास भी होगा। एडवोकेट मोहम्मद फैज़ ने कहा कि भाकियू ;अराजनैतिकद्ध युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह काफी लंबे समय से गंगा एक्सप्रेस.वे को बिजनौर से निकलवाने की मांग करते आ रहे है। सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष के नेता भी इस एक्सप्रेस वे को बिजनौर जिले से ही निकाले जाने के लिये बिजनौर से लखनऊ तक मांग जोर ÷ोर से उठा रहे है। मौहम्मद फैज ने कहा कि इस एक्सप्रेस वे के बिजनौर से ही गुजरने से बिजनौर जिले का भी विकास होगा।

सांसद चंद्रषेखर आजाद के काफिले पर हमला निंदनीय : इरषाद उर्फ गोला

चान्दपुर। आजाद समाज पार्टी नेता पूर्व जिला पंचायत सदस्य पद प्रत्याशी रहे युवा समाज सेवी इरशाद अहमद उर्फ गोला भैया ने आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी मुखिया नगीना लोकसभा क्षेत्र सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर जनपद मथुरा में हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। इरशाद अहमद उर्फ गोला भैया ने कहा है कि यह हमला नहीं बल्कि एक सोची समझी साजिश लगती है जिसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए ताकि दोषी जो भी हो बेनक़ाब हो सके और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा सके। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से अनुरोध करते हुए कहा है कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी मुखिया सांसद नगीना लोकसभा एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद की सुरक्षा बढ़ाई जाये। उन्होंने कहा कि मथुरा मे हमारे पार्टी मुखिया के काफिले पर हमला उनकी बढ़ती लोकप्रियता और सर्वसमाज का आजाद समाज पार्टी से जुड़ना न बीजेपी से और न अन्य विरोधी दलों से बर्दाश्त नही हो पा रहा है। भाजपा के राज मे एक सांसद सुरक्षित नही तो आम आदमी की क्या गारंटी है कि वह अपनी और अपने परिवार की जान माल की सुरक्षा कैसे पक्की समझे। बीजेपी की सरकार मे अनुसूचित जाति जनजाति के लोगो पर हमलों की घटनाये बढ़ना निंदनीय है।

गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर जिले से ही निकाला जाये : किसान नेता हनीफ अहमद

चान्दपुर। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) वरिश्ट नेता व मीडिया प्रभारी ब्लाक जलीलपुर क्षेत्र निवासी हनीफ अहमद ने उप्र के मुख्यमंत्री से गंगा एक्संप्रेस वे को बिजनौर जिले से जोड़कर निकालने की मांग की है। उन्होने कहा है कि गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर से निकालने के जिले की जनता को कई लाभ होगे और जिले का विकास भी होगा। किसान नेता ने कहा कि उप्र के मुख्यमंत्री स्वंय नजीबाबाद मे अपनी एक सभा मे इस गंगा एक्सप्रेस वे को बिजनौर जिले से ही निकालने की बात कह चुके है बस सिर्फ इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होने कहा कि किसानो, मजदूरो एवं आमजन को इस एक्सप्रेस वे से बहुत लाभ होगा जिसमे बिजनौर जिले का विकास होगा और जिले का पिछड़ापन भी दूर होगा।

सरोजिनी नायडू की पुण्य स्मृति पर काव्यपाठ याद किया

हाथरस। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कैंप कार्यालय पर महान स्वतंत्रता सेनानी भारत की स्वर कोकिला कवियत्री सरोजिनी नायडू की पुण्य स्मृति वरिष्ठ नेत्री बीना गुप्ता एडवोकेट की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया। महिला शहर अध्यक्ष आमना बेगम के संचालन में कवियों ने अपने काव्य के माध्यम से स्वर कोकिला को नमन किया कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने नमन करते हुए कहा कि देश की पहली महिला राज्यपाल, नारी सशक्तिकरण की मिसाल और स्वतंत्रता संग्राम की प्रखर आवाज सरोजिनी नायडू जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

उन्होने कहा कि उनका संघर्ष और योगदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

आशु कवि अनिल बोहरे ने काव्य के माध्यम से नमन करते हुए कहा कि

सरोजिनी नायडू ने किया नारी सशक्तिकरण- राजनीति और साहित्य को किया था वरणष् तो वहीं कई दीपक रफी ने अपनी इन पंक्तियों से नमन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल कवियत्री थी

महान- हे सरोजिनी नायडू तुमको बारंबार प्रणामष् वरिष्ठ कांग्रेसी एवं कवि रोशन लाल वर्मा ने नमन करते हुए कहा कि देकर के तुम प्यार घनेरा जान निछावर कर गयी-

परतंत्र था यह देश मेरा आजाद भारत कर गई। कार्यक्रम में नारायण प्रसाद पिप्पल, बृजमोहन शर्मा, हरिशंकर वर्मा, देवेंद्र शर्मा, पुपू बोहरे, भूपेंद्र शर्मायविनोद शर्मा, शशि गुरु, पन्नालाल, ठाकुर आकाश सिंह, कपिल नरूला, संतोष उपाध्याय, राजकुमार पचौरी आदि मौजूद थे।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक छह मार्च को हाथरस।

मुख्य विकास अधिकारी सुरेश चन्द्र केसरवानी ने अवगत कराया है कि जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 6 मार्च दिन गुरूवार को अपरान्ह 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार हाथरस में सांसद संसदीय क्षेत्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई है।अत: संबंधित अधिकारीगण उक्त बैठक में ससमय उपस्थित होने का कष्ट करें।

न्याय के लिए तत्काल अपील- गरीबों के लिए एबल चैरिटेबल अस्पताल की सेवाओं को बचाएँ

फरीदाबाद/पलवल.ब्यूरो

30 से अधिक वर्षों से, एबल चैरिटेबल अस्पताल वंचितों के लिए आशा की किरण रहा है, जो सस्ती और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। हम प्रदान करते हैंकेवल आई एन आर 50 पर सामान्य ओ पी डी सेवाएँज़आई एन आर 700 पर नेफ्रोलॉजिस्ट और डायलिसिस

ज़900 से अधिक निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा (प्रति वर्ष 1,500-2,000 नेत्र शल्य चिकित्सा करने के अलावा)ज़निःशुल्क दंत चिकित्सा जाँच और देखभाल, कम लागत वाली फ़ार्मेसी और प्रयोगशाला सेवाएँ।स्वास्थ्य सेवा से परे, हम शिक्षा और सामाजिक समर्थन के माध्यम से सामुदायिक कल्याण के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं-

ज़फ़रीदाबाद में आठ झुग्गी-झोपड़ियाँ संचालित करना, जहाँ प्रतिदिन 600 से अधिक बच्चों को शिक्षा और भोजन दिया जाता है।ज़एबल गुरुकुल में 61 अनाथ लड़कियों को शिक्षा, आश्रय और देखभाल प्रदान करना।पिछले कई वर्षों से हम क्षेत्र के गरीबों की सेवा करने के लिए भवन, उपकरण और वेतन के लिए विदेशों और भारत से अथक दान प्राप्त करते रहे हैं और हमें दान मिलना जारी है। श्री प्रेम कुमार खुल्लर 88 वर्ष की आयु में भी और

मस्तिष्क आघात से पीड़ित होने और बिस्तर पर रहने के बावजूद, समुदायों और वंचित व्यक्तियों की सेवा करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं

। हालांकि, कई व्यक्ति और सरकारी विभाग हमारे खिलाफ काम कर रहे हैं, जो हमें नहीं पता कि किन कारणों से हैं, और जानबूझकर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के हमारे मिशन में बाधा डाल रहे हैं। हमारी अमूल्य सेवा के बावजूद, हम पिछले 3-5 वर्षों में सरकारी अधिकारियों से बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमारे द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज और शुल्क समय पर जमा करने के बावजूद, पिछले एक साल से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन एच ए आई) के पास अनुमोदन के लिए हमारी फाइल लंबित है। इस देरी के कारण, हम टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (डी टी सी पी) के निदेशक से भूमि उपयोग में परिवर्तन (सी एल यू) अनुमोदन प्राप्त करने में असमर्थ हैं, जिन्होंने लंबित एन एच ए आई अनुमोदन का हवाला देते हुए हमारे अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इसके अलावा, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) ने हमें इस आधार पर संचालन की सहमति (सी टी ओ) देने से इनकार कर दिया कि हमारे पास सी एल यू नहीं है, हालांकि पहले उन्होंने हमें यही दिया था लेकिन अब हमारे बार-बार अनुरोध के बावजूद इनकार कर रहे हैं कि उन्हें पहले सी एल यू की आवश्यकता है। हमने पासवर्ड और फोन नंबर परिवर्तनों सहित अपने पोर्टल एक्सेस क्रेडेंशियल्स को अपडेट करने के लिए बार-बार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संपर्क किया, लेकिन हमारे अनुरोधों को कर्मचारियों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया। इस नौकरशाही गतिरोध और संबंधित अधिकारियों की ओर से प्रतिक्रिया की कमी के परिणामस्वरूप, एचएसपीसीबी ने माननीय एनजीटी अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए एकतरफा रूप से हमारे अस्पताल को सील कर दिया। यह अन्यायपूर्ण कार्रवाई समुदाय की मानवीय जरूरतों की उपेक्षा करती है और उन डायलिसिस रोगियों के जीवन को खतरे में डालती है।

इसके अलावा, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एच एस पी सी बी) ने हमें इस आधार पर संचालन की सहमति (सी टी ओ) देने से इनकार कर दिया कि हमारे पास सी एल यू नहीं है, हालांकि पहले उन्होंने हमें यही दिया था लेकिन अब हमारे बार-बार अनुरोध करने के बावजूद इसे मना कर रहे हैं कि उन्हें पहले ष्टरु की आवश्यकता है। हमने पासवर्ड और फोन नंबर परिवर्तनों सहित अपने पोर्टल एक्सेस क्रेडेंशियल्स को अपडेट करने के लिए बार-बार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संपर्क किया, लेकिन हमारे अनुरोधों को कर्मचारियों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया।

इस नौकरशाही गतिरोध और संबंधित अधिकारियों की प्रतिक्रिया की कमी के परिणामस्वरूप, एच एस पी सी बी ने माननीय एन जी टी अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए एकतरफा रूप से हमारे अस्पताल को सील कर दिया। यह अन्यायपूर्ण कार्रवाई समुदाय की मानवीय जरूरतों की अवहेलना करती है और उन डायलिसिस रोगियों के जीवन और हमारे अस्पताल पर निर्भर हजारों अन्य लोगों की भलाई को खतरे में डालती है। मानवीय आधार पर, ह

संपत्ति खरीद में धोखाधड़ी कर दिल्ली के व्यक्ति से पांच करोड़ रुपये की ठगी, दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने 5.78 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति खरीद धोखाधड़ी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आर्थिक अपराध शाखा ने एक बयान में कहा कि आरोपी मोहम्मद सलमान और रानी कपूर ने कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर हरियाणा के गुरुग्राम में एक भूखंड बेचा था। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अजय कुमार अग्रवाल के परिचित सलमान ने गुरुग्राम के साउथ सिटी-1 में 1,340 वर्ग गज का भूखंड बेचने का प्रस्ताव दिया। बयान में कहा गया है कि सलमान ने भूखंड पर रानी कपूर के स्वामित्व संबंधी फर्जी दस्तावेज पेश किए, जिसके आधार पर अग्रवाल ने बैंक से पांच करोड़ रुपये का ऋण लिया। बिक्री विलेख में 5.40 करोड़ रुपये का उल्लेख किया गया था, जिसमें स्टाम्प ड्यूटी के लिए अतिरिक्त 38 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। हालांकि, जब अग्रवाल ने भूखंड का मुआयना किया, तो उन्हें पता चला कि यह कानूनी रूप से किसी और का था जिसके बाद, उन्होंने बिक्री को रद्द करने के लिए अदालत में मामला दायर किया। जांच में पता चला कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए भूखंड की रजिस्ट्री कपूर के नाम पर करा ली थी। सलमान को 28 फरवरी को करोल बाग से गिरफ्तार किया गया था, जबकि कपूर को एक मार्च को पकड़ा गया। दिल्ली निवासी सलमान 2018 से प्रॉपर्टी के कारोबार में है और कपूर और अन्य लोगों ने फर्जी दस्तावेज बनाने में उसकी मदद की थी। पुलिस ने कहा कि सलमान दिल्ली और पंजाब में धोखाधड़ी के दो अन्य मामलों में भी शामिल रहा है।

उच्चतम न्यायालय ने बच्चे की हत्या के मामले में महिला को बरी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा की उस महिला को बरी कर दिया है, जिसे साढ़ चार वर्षीय एक बच्चे की हत्या के 23 वर्ष पुराने मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। न्यायमूर्ति एम.एम.सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने अभियोजन पक्ष के बयान में त्रुटि पाई तथा गंडासी (कुल्हाड़ी) की बरामदगी के आधार पर, निचली अदालत के दोषसिद्धि के निष्कर्ष पर पहुंचने को गलत पाते हुए महिला को बरी कर दिया। महिला की सजा को उच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा था। पीठ ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने संबंधी महिला की अपील को स्वीकार करते हुए कहा, ''हमारे विचार से, दोनों न्यायालयों ने केवल हथियार की बरामदगी पर पर्याप्त भरोसा करके गलती की है, जबकि शव बहुत पहले पाया गया था। इस प्रकार, हम अपीलकर्ता को संदेह का लाभ देने के लिए बाध्य हैं।'' पीठ ने आरोपी की ओर से पेश हुए वकील की इस दलील से सहमति जताई कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य से जुड़े मामले में मकसद कुछ हद तक प्रासंगिक होता है। पीठ ने 20 फरवरी को दिये अपने आदेश में कहा, ''इस मामले में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे पता चले कि बच्चे को अंतिम बार अपीलकर्ता के साथ देखा गया था। केवल 'गंडासी' के रूप में भौतिक वस्तु की बरामदगी, अपीलकर्ता को दोषी ठहराने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता।'' इसने कहा कि बरामद की गई वस्तु पर अपीलकर्ता की कोई अंगुली का निशान नहीं है और किसी भी मामले में, स्पष्ट रूप से यह दर्शाने के लिए साक्ष्य अपर्याप्त हैं कि बरामद हथियार का इस्तेमाल अपराध करने के लिए किया गया था। पीठ ने कहा कि शव की बरामदगी भी अपीलकर्ता के कहने पर नहीं की गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या 11 दिसंबर 2002 को हुई थी और 12 दिसंबर 2002 को शिकायत दर्ज कराई गई थी कि शिकायतकर्ता का साढ़े चार साल का बेटा लापता हो गया है।

दिल्ली पुलिस ने शिकायत निवारण के लिए साप्ताहिक 'जन सुनवाई' का आयोजन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शाहदरा में शिकायत निवारण के लिए साप्ताहिक 'जन सुनवाई' का आयोजन किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस सत्र में कुल 71 शिकायतकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने कानून-व्यवस्था, अपराध और सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित चिंताएं व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इनमें से 69 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को जल्द से जल्द हल करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने निवासियों से अपने मुद्दों के प्रभावी निवारण के लिए इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने को कहा।

गर्मियों में नियमित बिजली आपूर्ति होगी सुनिश्चित : आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने रविवार को समर एक्शन प्लान-2025 को लेकर ऊर्जा और बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने प्लान तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही, बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा। सूद ने बताया कि गर्मियों के समय बिजली की सुचारू और नियमित आपूर्ति के लिए ऊर्जा विभाग और अन्य हितधारक कंपनियों के साथ बैठक की गई। इसका मुख्य मकसद दिल्लीवासियों को निर्बाध रूप से बिजली उपलब्ध कराना है। सरकार दिल्ली में एक ऐसी मॉडल कॉलोनी बनाएगी, जहां बिजली के तार लटके न हो। सब तार व्यवस्थित रूप से हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली के खंभे पर किसी और अन्य कंपनी के तार आदि हो तो उनको तुरंत प्रभाव से हटाया जाए। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि दिल्ली के किसी इलाके में यदि कोई पवार ग्रिड फेल होता है तो उसकी मरम्मत पांच मिनट में हो जानी चाहिए। प्रत्येक 15 दिन बाद ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की जाएगी।

मैं आपको एक उपाधि देना चाहूंगी कि आप सभी हनुमान हैं : रेखा गुप्ता

-दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्वांचल भाजपा मोर्चा समारोह में की शिरकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्वांचल बीजेपी मोर्चा समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शिरकत की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी की दिल्ली में 27 साल बाद हुई जीत को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने इस जीत को वर्षों के संघर्ष का फल करार दिया। उन्होंने पिछली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सरकारों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। रेखा गुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप चाहे राम के गांव से हों या सीता के गांव से, लेकिन मैं आपको एक उपाधि देना चाहूंगी कि आप सभी हनुमान हैं।

'हमारा वनवास सालों तक चलता रहा...'

दिल्ली बीजेपी कार्यालय में पूर्वांचल भाजपा मोर्चा समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज की जीत सालों की तपस्या, मेहनत, लगन और समर्पण का नतीजा है। बार-बार इसका जिक्र हो रहा है कि 27 साल के बाद सरकार बनी। भगवान राम का वनवास 14 साल में खत्म हो गया, लेकिन हमारा वनवास सालों तक चलता रहा। लंबे संघर्ष के बाद हम इस जीत का जश्न मना पा रहे हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने किसे बताया 'हनुमान'

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि आप चाहे राम के गांव से हों या सीता के गांव से, लेकिन मैं आपको एक उपाधि देना चाहूंगी कि आप सभी हनुमान हैं। पार्टी के हनुमान बनके जो काम आपने किया, आज की जीत आपकी उस सालों की तपस्या, मेहनत, लगन और समर्पण का नतीजा है। मैं अपने पूर्वांचल के भाइयों और बहनों को बधाई देती हूं। दिल्ली में एक नए युग की शुरुआत हुई है। अभी बहुत कुछ करना बाकी है। हमें पीएम मोदी के विकसित दिल्ली बनाने के सपने को पूरा करना है।

'घर-घर रावण, जन-जन लंका... इतने राम कहां से लाऊं'

रेखा गुप्ता ने बताया कि बीजेपी ने दिल्ली में जब भी भ्रष्टाचार देखा, हमेशा विरोध किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने लाठियां और डंडे भी खाने पड़े। अपने संघर्षों का वर्णन करते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि इतने रावण थे कि ये समझ नहीं आता था कि किस रावण की भुजा उखाड़ें, किस लंका में आग लगाएं। घर-घर रावण, जन-जन लंका, इतने राम कहां से लाऊं।÷ उन्होंने इस जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और समर्पण को दिया।

'बीजेपी कार्यकर्ताओं की लगन-तपस्या से मिली जीत'

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि कार्यकर्ताओं की लगन और तपस्या से ही यह जीत संभव हुई है। दिल्ली की जनता ने बीजेपी पर भरोसा जताया है और अब बीजेपी की जिम्मेदारी है कि वह जनता की उम्मीदों पर खरी उतरे। रेखा गुप्ता ने विश्वास दिलाया कि बीजेपी दिल्ली के विकास के लिए कड़ी मेहनत करेगी।

बीजेपी की सरकार बनाने में पूर्वांचलियों का योगदान

कार्यक्रम के दौरान भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि आज का दिन बहुत ही गौरव और स्वाभिमान का दिन है दिल्ली में रहने वाली सभी पूर्वांचल भाई बहनों के लिए बहुत खास है। आज 27 साल बाद दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनी है 27 साल बाद जो विजय आयी है उसमें प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अहम भूमिका रही है। इसके साथ ही पूर्वांचल के लोगों ने भी सरकार बनाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

बीजेपी सरकार पूर्वांचल भाई बहनों की कर्जदार-सिरसा

दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा है कि दिल्ली में बीजेपी सभी पूर्वांचल सीट जीतने में कामयाब हुई। हम पूर्वांचल भाई बहनों के काम जरूर करेंगे, उनके काम आएंगे। बीजेपी सरकार पूर्वांचल भाई बहनों की कर्जदार है। एक नई दिल्ली और नया मुकाम लिखा जाएगा।

अपना काम ईमानदारी से आगे करेंगे-सचदेवा

दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि इस जीत के सच्चे हकदार सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और दिल्ली की जनता है। सचदेवा ने कहा, हमें अब अपना काम इमानदारी से आगे करते रहना है। ईमानदारी के साथ काम करेंगे तो प्रभु हमारे साथ रहेंगे। संकल्प पत्र में लिखा एक-एक शब्द हमारे लिए गीता और कुरान है। यमुना को

निर्मल बनाने का काम शुरू हो चुका है 3 साल के अंदर हम यमुना घाट पर छठी मां का पर्व मनाएंगे। मैंने जब डुबकी लगाई थी तो मुझे भी मालूम नहीं था कि मेरी तबीयत खराब हो जाएगी लेकिन यमुना मैया का मेरे ऊपर आशीर्वाद रहा और मैं बच गया। अब सच्चे मन से यमुना नदी के लिए काम किया जाएगा और 3 साल के बाद यमुना पर छठ पर्व मनाया जाएगा।

जनता के बीच हेल्पलाइन जारी करेंगे - प्रवेश वर्मा -दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा है कि हम जल्द ही दिल्ली की जनता के बीच एक हेल्पलाइन जारी करेंगे। जल्द ही यह नंबर जनता के बीच जारी होगा इस नंबर पर लोग अपनी शिकायत कर पाएंगे कि उन्हें किस प्रकार की समस्या है और वह सुझाव भी दे सकते हैं और उस समस्या का समाधान भी होगा।

27 साल बाद दिल्ली का विकास पकड़ेगा रफ्तार : विनीत जैन

-ट्रिपल इंजन की सरकार करेगी जनता की सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 02 मार्च (वेब वार्ता)। राजधानी दिल्ली में एक लम्बे अन्तराल के बाद विकास का पहिया घूमता दिखेगा और दिल्ली का समुचित विकास होगा। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के मीडिया संयोजक विनीत जैन का। विनीत जैन कहते है राजधानी दिल्ली को अब ट्रिपल इंजन सरकार की नीतियों का लाभ मिलेगा। विनीत जैन कहते है दिल्ली सरकार तथा केंद्र सरकार मिलजुल कर नीतियाँ बनाएगी और दिल्ली की जनता को उनसे लाभ मिलेगा। इसी तरह जल्द ही दिल्ली नगर निगम में भी भाजपा सरकार बनेगी और ट्रिपल नजन सरकार बनेगी और गली मौहल्ले स्तर के काम भी भाजपा सरकार तेजी के साथ कर सकेगी। विनीत जैन कहते हैं कि 27 साल बाद दिल्ली को वास्तविक विकास का मौका मिला है, क्योंकि अब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मज़बूत सरकार है। ÷27 साल बाद दिल्ली को बीजेपी के निर्णायक नेतृत्व और पीएम मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के तहत असली बदलाव देखने को मिलेगा। दिल्ली का विकास अब सिर्फ़ राजनीति का मुद्दा नहीं रहेगा, बल्कि यह हर गली-मोहल्ले में दिखाई देगा। उन्होंने कहा, ÷यह सिर्फ बीजेपी के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम तो है ही है, साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मार्गदर्शन और विचारधारा से प्रेरित भी है। यह सरकार जनसेवा और ईमानदारी के संकल्प पर बनी है। ÷ उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि दिल्ली की समस्याएँ सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हैं, क्योंकि यहाँ संसद, राष्ट्रपति भवन, सुप्रीम कोर्ट और कई राष्ट्रीय संस्थाएँ स्थित हैं। भाजपा सरकार दिल्ली को दुनिया की सबसे खूबसूरत और विकसित राजधानी बनाएगी। विनीत जैन ने केजरीवाल सरकार की घातक शराब नीति पर निशाना साधते हुए कहा कि इस नीति ने दिल्ली के हजारों परिवारों को तबाह कर दिया। ÷ हर कॉलेज और स्कूल के बाहर शराब के ठेके खोल दिए गए। यह नीति युवाओं और परिवारों के विनाश की साजिश थी, इस नीति नें दिल्ली के हजारों परिवार बर्बाद करके रख दिए। अनेक लोग घटिया शराब के सेवन से घातक रोगों से पीड़ित हो गए। विनीत जैन ने कहा अरविंद केजरीवाल के आलीशान बंगले पर भी तीखा हमला बोला और कहा, ÷जब दिल्ली की जनता पानी की किल्लत, जाम और गंदगी से परेशान थी, तब मुख्यमंत्री सोने की प्लेटेड टॉयलेट सीट लगवाने में व्यस्त थे। जब दिल्ली महामारी में जूझ रही थी, तब वह अपने शीश महल में बैठकर आराम फरमा रहे थे। ÷उन्होंने कहा भाजपा सरकार की प्राथमिकता शीश महल बनवाने की नहीं, बल्कि झुग्गी-झोपड़ियों में साफ़ पानी, शौचालय और मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने की होगी।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' के समर्थन में कैट का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वन नेशन, वन इलेक्शन की ऐतिहासिक पहल के समर्थन में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश भर में एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत देशभर में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के माध्यम से सेमिनार, कार्यशाला और संवाद सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चुनाव सुधारों, आर्थिक प्रभाव और समाज तथा व्यापार जगत पर सकारात्मक प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया का मानना है कि बार-बार चुनाव होने से देश की आर्थिक प्रगति बाधित होती है, सरकारी नीतियों का कार्यान्वयन धीमा हो जाता है और व्यापारिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ता है। यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो इससे व्यापार, उद्योग और अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलेगी, साथ ही सरकार की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी।

अभियान के तहत व्यापारिक संगठनों के माध्यम से वन नेशन, वन इलेक्शन की जानकारी आम जनता और व्यापारियों तक पहुंचाई जाएगी। विभिन्न राज्यों में व्यापार संगठनों द्वारा विशेषज्ञों के साथ परिचर्चाएं आयोजित की जाएंगी। चुनाव सुधार विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री, कानूनी विशेषज्ञ और नीति निर्धारकों को आमंत्रित किया जाएगा। इस अभियान के तहत देशभर के व्यापारियों से सुझाव और समर्थन जुटाए जाएंगे।

खंडेलवाल ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन से देश का लोकतांत्रिक ढांचा और मजबूत होगा, विकास कार्यों की रफ्तार तेज होगी और व्यापार जगत को स्थिरता मिलेगी। बार-बार चुनाव होने से सरकारी मशीनरी पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है और प्रशासन ठप हो जाता है। देश भर के व्यापारी कैट के झंडे तले इस ऐतिहासिक पहल का पूर्ण समर्थन करता है और इसे सफल बनाने के लिए देशभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाएगा।

कैट का यह अभियान व्यापारी वर्ग, सिविल सोसाइटी, नागरिक, समाज और नीति निर्धारकों को एक मंच पर लाकर वन नेशन, वन इलेक्शन की आवश्यकता पर सार्थक संवाद स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के इस दूरदर्शी कदम से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आर्थिक ढांचा मजबूत होगा, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर एक नई शक्ति बनकर उभरेगा। इस अभियान से जुड़ने और समर्थन देने के लिए कैट ने देशभर के व्यापारियों और संगठनों को जुड़ने के लिए आमंत्रित किया है।

दिल्ली पुलिस आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस संगठित अपराध से निपटने और देश-विदेश की जेलों से अपनी गतिविधियां संचालित कर रहे गैंगस्टर पर नजर रखने के लिए प्रयास तेज करने की योजना बना रही है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कानून-व्यवस्था की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित करने के एक दिन बाद शनिवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में शीर्ष पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई। शाह की अध्यक्षता वाली बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन भी शामिल हुए थे।

समीक्षा में राष्ट्रीय राजधानी में उभरते अपराध परिदृश्य से निपटने के लिए पुलिस व्यवस्था की रणनीतियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सूत्रों के अनुसार, शनिवार की बैठक में निर्णय लिया गया कि नए अपराधियों की सूची तैयार की जाएगी तथा उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के उपाय किए जाएंगे।

एक सूत्र ने कहा, ''जेल में बंद कौशल चौधरी और नीरज बवाना जैसे गैंगस्टर पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। अनमोल बिश्नोई, अर्श डल्ला, गोल्डी बरार, हिमांशु भाऊ, लकी पटियाल, जग्गा धुरकोट, वीरेंद्र चरण, अमरदीप बिश्नोई, नोनी राणा, महेंद्र सहारण, राहुल, महेंद्र मेघवंशी और नवीन बॉक्सर सहित विदेशी स्थानों से काम करने वाले अन्य लोगों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी।''

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन बदमाशों के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क में रहने वाले और आपराधिक रिकॉर्ड वाले नाबालिगों की भी निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस जघन्य अपराधों में शामिल नाबालिगों की सूची तैयार कर रही है और अदालत में उनके खिलाफ वयस्कों की तरह मुकदमा चलाने की सिफारिश करेगी।

अधिकारी अवैध गतिविधियों और कनेक्शन पर नजर रखने के लिए गैंगस्टर और उनके सहयोगियों के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर पैनी नजर रखेंगे। अधिकारी ने कहा, ''गैंगस्टर की मदद करने वाले लोग पुलिस के रडार पर होंगे। उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी।''

बैठक में दिल्ली पुलिस आयुक्त, विभिन्न क्षेत्रों के विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), 15 पुलिस जिलों के संयुक्त आयुक्त एवं पुलिस उपायुक्त तथा विभिन्न इकाइयों के उपायुक्तों सहित शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने लागू किए जाने वाले सुरक्षा उपायों पर चर्चा की।

मुख्य फोकस क्षेत्रों में अवैध प्रवासियों पर कड़ी कार्रवाई, सड़क पर होने वाले अपराधों को रोकना, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संगठित आपराधिक नेटवर्क का मुकाबला करना शामिल है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ड्रग आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के प्रयास भी चर्चा का हिस्सा थे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''शहर के हर कोने में चौबीसों घंटे गश्त बढ़ाई जाएगी, ताकि झपटमारी और लूट-पाट की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके। वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। पुलिस थानों को उनके साथ अधिक प्रभावी संचार माध्यम स्थापित करने के निर्देश दिए जाएंगे।''

नगर निगम को मिलेगा उसका उचित हिस्सा , की जाएगी गौशालाओं की मदद :रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने मंत्रिमंडल के साथ रविवार को बवाना स्थित गोपाल गोसदन हरेवली गौशाला का दौरा किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा गौशालाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि नगर निगम को उसका उचित हिस्सा मिले। उन्होंने पिछली सरकारों की गलतियों से बचने की शपथ ली। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'हम पिछली सरकारों के तरीके का पालन नहीं करेंगे, जिन्होंने नगर निगम को पैसे का उचित हिस्सा नहीं दिया। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि नगर निगम को उसका हिस्सा मिले और गौशालाओं का काम बिना किसी रुकावट के चलता रहे।' उन्होंने राष्ट्र की प्रगति और परंपराओं के संरक्षण के महत्व पर भी विचार व्यक्त किए।

धार्मिक और सांस्कृतिक संरक्षण को दिल्ली सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा, 'आजादी के 70 साल बाद भी हमारा देश बर्बादी की स्थिति में था। हमारे सनातन धर्म में जो पूजनीय था, उसे भी नजरअंदाज किया गया। सभी तीर्थ स्थल, सभी गौशालाएं और हमारे भगवान के प्रति हमारी भक्ति, को किसी न किसी तरह नजरअंदाज किया गया। 2014 के बाद एक नई सुबह आई, जिसने सनातन में आस्था रखने वालों के दिलों में उम्मीद जगाई।'

वहीं भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने भी कार्यक्रम में बोलते हुए गौशालाओं के प्रति पूर्ववर्ती सरकार के रुख की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट हो चुका है कि किस तरह दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम ने अतीत में गौशालाओं के साथ भेदभाव किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से गौशालाओं के लिए आवंटित धनराशि को जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि दिल्ली सरकार की ओर से गौशालाओं को सशक्त बनाया जाएगा।

प्रॉपर्टी खरीदने के बहाने ऑफिस में घुसकर लूटपाट करने वाले बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेगमपुर थाना क्षेत्र में फ्लैट खरीदने के बहाने प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में पहुंचे बदमाशों ने डीलर के सिर पर हमला कर सोने की चेन, मोबाइल फोन, पर्स समेत जरूरी कागजात लेकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर बेगमपुर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों के पास से लूटा हुआ मोबाइल फोन और जरूरी कागजात बरामद कर लिया है।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 28 फरवरी को बेगमपुर थाना पुलिस को इस वारदात की जानकारी मिली। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को पीड़ित ने बताया कि वह पेशे से प्रॉपर्टी डीलर है। दो लड़के उनके कार्यालय में आए और प्रॉपर्टी की बिक्री और खरीद के बारे में पूछताछ करने लगे। बात करने के दौरान ही दोनों लड़कों ने अचानक से उनके सिर पर हमला कर दिया। जिससे वह नीचे गिर गए। बदमाशों ने गले में पहने सोने की चेन, पर्स और उनका मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।

पीड़ित के बयान पर बेगमपुर थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए बेगमपुर थाना एसएचओ राजीव रंजन के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जांच के दौरान, पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के कई सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और एक सीसीटीवी फुटेज में अपराधियों को देखा गया। लगातार प्रयासों के बाद लुटेरों की पहचान की गई। पुलिस ने एक आरोपित आशीष को गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ लिया। लगातार पूछताछ करने पर उसने अपने साथी अमित उर्फ मिति और हर्ष के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात बताई।

पहले दुष्कर्म मामले में शामिल रहा है आरोपी

28 फरवरी को आशीष शर्मा की निशानदेही पर दोनों आरोपितों को उनके ठिकानों से गिरफ्तार कर लिया गया। आशीष शर्मा अमन विहार का रहने वाला है। जो पहले दुष्कर्म मामले में शामिल रहा है। अमित उर्फ मिति नरेला का रहने वाला है, जिसपर सेंधमारी, डकैती, झपटमारी, चोरी और आर्म्स एक्ट जैसे 27 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, हर्ष सोनीपत का रहने वाला है। जिसपर चोरी और शस्त्र अधिनियम के पांच मामले दर्ज हैं।

स्टेट्समैन विंटेज कार रैली: राजधानी की सड़कों पर दुर्लभ कारों की हुई भव्य परेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार बीते जमाने की दुर्लभ और प्रतिष्ठित कारों की भव्य परेड का दिन रहा। बहुप्रतिक्षित 58वीं वार्षिक 'द स्टेट्समैन विंटेज एंड क्लासिक' कार रैली में दिल्ली और दूसरे प्रांतों के पुरानी कारें रखने के शौकीन लोगों ने सहेज कर रखे गये अपने खूबसूरत वाहनों की नुमाइश की। रैली में 1914 से 1960 के दशक तक की 100 से अधिक कारें शामिल थीं। दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस के स्टेट्समैन हाउस से शुरू हुई ऐतिहासिक कार रैली को इंडियन ऑयल के अध्यक्ष मुख्य अतिथि अरविंदर सिंह साहनी ने आज हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कारें लगभग 44 किलोमीटर की रैली के रास्ते में दर्शकों को लुभाते हुए यह राजधानी के नेशनल स्टेडियम में पहुंची।

पूरी देखरेख, मूल रूप में रखरखाव के साथ दुल्हन की तरह से सजा कर लायी गयीं ये कारें समापन समारोह के लिए इंडिया गेट के पास नेशनल स्टेडियम के बाहरी लॉन में एकत्र हुईं, जहां इन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक एकत्रित हुए थे, जिनमें कई विदेशी राजनयिक मिशनों के लोग भी शामिल हुए। रंगारंग समापन कार्यक्रम में कार स्वामियों को विंटेज और क्लासिकल वर्ग में कारों के उल्लेखनीय रखरखाव और साज-सज्जा के लिये विशिष्ट अतिथि दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री मंजिन्दर सिंह सिरसा, स्टेट्समैन समूह के अध्यक्ष आर. पी. गुप्ता, स्टेट्समैन के प्रबंध निदेशक रवीन्द्र कुमार, विधि एवं कानून मंत्रालय में अपर सचिव मनोज कुमार, निदेशक विनीत गुप्ता ने विजेताओं को ट्रॉफियां प्रदान कीं।

रैली का नेतृत्व 11 महिला बाइकर (मोटरसाइकिल चालक महिलाएं) कर रही थी, जिसमें सबसे आगे गीता बत्रा थी। स्टेट्समैन के निदेशक विनीत गुप्ता और महादेव स्वामी ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आयी इन बाइक चलाने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया। इस बार की रैली भाग लेने वाली विंटेज श्रेणी के वाहनों में सबसे पुरानी कार-जॉन मॉरिस फायर इंजन (निजाम स्टेट नम्बर 1) राजधानी के राष्ट्रीय रेल संग्रहालय आयी थी, जो 1914 की बनी हुई है। अब इस तरह की मात्र दो वाहन बचे हुये हैं, दूसरा वाहन मैनचेस्टर लंदन के संग्रहालय में रखा गया है। यह वाहन हैदराबाद के निजाम की रियासत की रेलवे कंपनी ने खरीदा था। यह 1960 तक सेवा में थी। करीब 80 हॉर्स पावर के चार सिलेंडर वाले इंजन की यह गाड़ी प्रति मिनट 400 गैलन पानी छोड़ती है। एक लीटर प्रति किलोमीटर की औसत वाली यह कार लगातार इस रैली में पुरस्कृत होती रही है। अब इसका रखरखाव रेलवे संग्रहालय के जिम्मे है।

इससे पहले शुक्रवार और शनिवार को द स्टेट्समैन विंटेज और क्लासिक रैली में भाग लेने वाली कारों का प्री - जजिंग कार्यक्रम यहां बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल में आयोजित किया गया था, जहां 100 से अधिक विंटेज और क्लासिक कारों का बहुत ही सावधानी से मूल्यांकन किया गया। इस साल रैली के विशेष आकर्षण में अहमदाबाद के दमन ठाकुर की 1950 की एमजी वाईटी कन्वर्टिबल है, जिसे उनके परिवार ने ÷लाल परी÷ नाम दिया है। ठाकुर इस कार को लेकर 2023 में दुबई के रास्ते लंदन तक ले गये थे। करीब 73 दिन की यात्रा तय कर लंदन पहुंचने पर मॉरिस गेरिसन (एमजी) कंपनी निर्माता कंपनी की ओर से ऑक्सफोर्डशायर के एबिंगडन में इसका स्वागत किया गया और कारखाने की एक ईंट भेंट की गयी। कार मालिक ठाकुर ने इस ईंट को कार के बोनट पर प्रदर्शित किया था।

श्री ठाकुर ने कहा, 'यह कार एक दुर्लभ रत्न है। इस तरह की केवल 900 कारें बनायी गयीं थी और आज दुनिया भर में केवल 150-200 ही बची हैं।' रैली में गुरप्रीत सिंह अपनी 1928 की रोल्स रॉयस फैंटम 1 ओपन टूर को इस रैली में लेकर आये, जिसे मूल रूप से भावनगर के महाराजा ने खरीदी थी। रैली में अशोक गुप्ता की 1936 की रॉलस रॉयस, बरेली के कलीम खान की 1919 की सिट्रॉन, डॉ एस हुसैन की 1926 में अमेरिका में बनी

समय रहते कुचलना होंगी अमेरिकी चालें

डा. रवीन्द्र अरजरिया

रूस और यूक्रेन के मध्य चल रहे युध्द में शान्ति बहाली के बहाने अमेरिका ने यूक्रेनी खनिज पर कब्जा करने की चालें चलना शुरू कर दी हैं। डोनाल्ड ट्रंप और वोलोडिमिर जेलेंस्की के मध्य हुई चर्चा के दौरान दबाव का माहौल खुलकर सामने आया। ट्रंप ने अपनी दादागिरी दिखाते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारी अपमानित किया। तीसरे विश्वयुध्द का न्योता देने, लाखों लोगों के जीवन के साथ खेलने और सैनिकों की कमी जैसे आरोपों के सहारे अमेरिका की तानाशाही देखने को मिली। ट्रंप के अलावा अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी अपने अडियल रवैये से यूक्रेन को धमकी भरे संवादों की भेंट दी। न्यूयार्क की मैनहट्टन कोर्ट के जस्टिस जुआन मर्चेन ने पोर्न स्टार मामले में डोनाल्ड ट्रंप को दोषी पाया था किन्तु खास कारणों से उन्हें बिना शर्त रिहा करना पडा। इसी से अन्दाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिका के संविधान में अपराधी को भी राष्ट्रपति के सिंहासन पर बैठकर सत्ता चलाने का हक है। ट्रंप ने सत्ता सम्हालते ही दबाव की राजनीति करना शुरू कर दी। अमेरिका में रहने वाले अवैध भारतीयों को हथकडियों, बेडियों तथा जंजीरों में जकड कर सैन्य विमानों से भेजने, टैरिफ लगाने तथा देश की आन्तरिक नीतियों को प्रभावित करने जैसे कृत्यों से मुख में राम, बगल में छुरी की कहावत चरितार्थ होने लगी है। लम्बे समय से चल रही रूस के साथ प्रतिव्दन्दिता को हाशिये पर छोडकर यूक्रेन पर अप्रत्यक्ष कब्जा करने की नियत से धावा बोलने वाले ट्रंप की कुटिलता अब सार्वजनिक होने लगी है। यूरोप सहित अन्य देशों को भी अमेरिका के नये शासक धमकाने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन तक पर शिकंजा कसने की पहल करने वाले अमेरिकी सरदार ने मानवता, विश्व-बंधुत्व और शान्ति को तिलांजलि देने की कार्य शैली अपना ली है। संसार को रक्त रंजित करने की मंशा पलने वाले हथियारों के इस सौदागर को हर हाल में पैसों का अम्बार चाहिए, भले ही उसके लिए अपनों का ही खून क्यों न बहाना पडे। विलासतापूर्ण जीवन की आकांक्षा पालने वाले इस राष्ट्र ने हमेशा ही दुनिया में युध्द का वातावरण निर्मित किया है। हमास के सामने इजराइल को झुकाकर आतंकवाद के नये अध्याय की शुरुआत की है। बंधक बनाने, ब्लैकमेल करने और जुल्म ढाने वाले आतंकियों को समर्थन देने वाले अमेरिका ने अप्रत्यक्ष में अनेक राष्ट्रों को आन्तरिक कलह में झौंकना शुरू कर दिया है। संसार भर में दहशतगर्दों के पास अमेरिका और चीन के हथियारों की भरमार रहती है। इन हथियारों से वे पहले अपने देश की आन्तरिक सरकारों को इशारों पर नचाते हैं और फिर विदेशों पर हावी होने लगते हैं। इन आसामाजिक गिरोहों को मिसाइलों से लेकर अत्याधुनिक हथियारों तक की आपूर्ति करने में अमेरिका हमेशा ही अग्रणीय रहा है। बंगलादेश में छात्रों को एक नये राजनैतिक दल बनाने से लेकर उसे विकसित करने तक में पर्दे के पीछे से अमेरिकी डालर काम कर रहा है। भारत के बढते वर्चस्व से घबडाकर अमेरिका ने हमारे सीमावर्ती देशों को अस्थिर करके वहां पर अपने गुर्गे बैठाने शुरू कर दिये हैं ताकि भारत विरोधी वातावरण निर्मित करके नई समस्यायें पैदा की जा सकें। कुटिल चालों के पुरोधाओं के मंसूबों पर पानी फेरते हुए भारत निरंतर प्रगति पथ पर दौडा रहा है। यह भी सही है कि देश के अन्दर बैठे मीर जाफरों की फौज के सहारे दुश्मनों की चालें कभी राजनैतिक गलियारे में शोर मचाने लगतीं हैं तो कभी साम्प्रदायिकता का हल्ला करने लगतीं है। कभी वैमनुष्यता का दावानल जातिगत खाई को ज्वालामुखी में तब्दील करने लगता है तो कभी भाषा, क्षेत्र और सांस्कृतिक कारकों के भूकम्प आने लगते हैं। यह सब अमेरिका जैसे दोगले राष्ट्रों की स्वार्थी नीतियों के परिणाम है जिन्हें लालची दलाल क्रियान्वित करने में गौरव महसूस करते हैं। राष्ट्रहित, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर वंशवादी लोगों की जमातें विघटनकारी मुद्दों को लेकर सडक से सदन तक गला फाडकर चीखने लगतीं हैं। इनके साथ मुफ्तखोरों की फौज होती है जो सरकारी खजानों से मिलने वाली सुविधाओं पर गुलछर्रे उडा रहे हैं। भारत के साथ मित्रता का दावा और मोदी के साथ गलबहियां करने वाले ट्रंप की कुटिल नीतियों को जवाब देने के लिए उसी की भाषा का प्रयोग आवश्यक हो गया है।

अमेरिका के सहयोगी देशों के घुसपैठियों को भी अब देश से हथकडियों, बेडियों और जंजीरों में जकडकर भेजा जाना चाहिए। अमेरिका को दी जाने वाली विशेष सुविधायें बंद की जाना चाहिए। वहां पर काम करने वाली प्रतिभाओं के लिए देश के अन्दर ही वातावरण निर्मित किया जाना चाहिए।

संपादकीय

लालफीताशाही से निजात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विनियमन आयोग' का गठन करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नियमों मे कटौती करना और नए निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना है। पुराने नियमन को हटाने की बात कुछ सप्ताह पहले संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा और केंद्रीय बजट में भी कही गई थी। अब महत्त्वपूर्ण बात यह है कि विनियमन का काम कितनी गहराई से और कितने टिकाऊ स्तर पर किया जाएगा। 'जन विश्वास' नामक एक विधेयक पहले ही पारित किया जा चुका है जो कुछ नागरिक अपराधों की आपराधिकता को समाप्त करता है। वादा किया गया है कि ऐसा ही एक अन्य विधेयक लाकर तकरीबन 100 छोटे-मोटे अपराधों की आपराधिकता समाप्त की जाएगी। उनकी जगह जुर्माने की व्यवस्था की जाएगी। ये अहम कदम हैं। परंतु इनकी बदौलत दृष्टिकोण में बदलाव नहीं आएगा बल्कि दशकों से बनी दमनकारी राज्य मशीनरी के दंडात्मक पहलुओं को कम किया जाएगा।सरकार को नए आयोग से कहना चाहिए कि वह सभी वर्तमान नियमन का व्यापक आकलन करे। उनका हर कोण से आकलन होना चाहिए। पहला, उन्हें जिस उद्देश्य से बनाया गया था क्या वे अभी भी प्रासंगिक हैं? दूसरा, क्या वे उद्देश्य प्राप्ति में सफल रहे? तीसरा, उन्होंने नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों पर क्या लागत डाली। इस लागत की लाभ से तुलना करनी चाहिए ताकि पता चल सके। आदर्श स्थिति में ऐसी कवायद नियमन लाने के पहले पारदर्शी तरीके से अंजाम दी जानी चाहिए। परंतु ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि सरकार या स्वतंत्र नियामकों ने ऐसा किया हो। यह अच्छी आदत नहीं है और अन्य उदार लोकतांत्रिक देशों के विपरीत है। यहां तक कि उच्च नियमन वाले यूरोपीय देशों से भी अलग। नीतिगत बदलावों के सार्वजनिक जोखिम और पुरस्कार आकलन का अभाव और नियम निर्माण की कमी, समग्र नीतिगत ढांचे को नहीं बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है जो अफसरशाही को मजबूत बनाता है। विनियमन आयोग को इस रुख से दूरी बनानी होगी। इस लिहाज से देखे तो आयोग के कर्मचारियों की नियुक्ति एक अहम चयन होगा। इसमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं भर लिया जाना चाहिए जो यही मानते हैं कि विनियमन में सुधार होना चाहिए।किसी एक विनियमन की लागत चाहे जो भी नजर आए, उसकी वास्तविक लागत निस्संदेह तब अधिक होती है जब यह ढेर सारे कानूनों और प्रतिबंधों के समूह का हिस्सा होता है जो राज्य के रुख को दर्शाता है।

समग्रता में यह टुकड़ों की तुलना में अधिक होता है। यह भारत के नियामकीय ढांचे की जटिल और आंतरिक स्तर पर विरोधाभासी स्थिति है जो किसी अन्य चीज से अधिक निवेशकों के उत्साह को कम करने और विनियमन वाले क्षेत्रों में नई पूंजी के निवेश की उनकी इच्छा को कम करती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उदाहरण के लिए विनिर्माण क्षेत्र में ऑनलाइन खुदरा व्यापार या ऐप अर्थव्यवस्था की तुलना में बहुत कम उत्साह नजर आता है। भले ही पहला क्षेत्र सरकार की प्राथमिकता में हो लेकिन बाद वाले क्षेत्र में नियामक तंत्र बहुत कम दखल देने वाला है।

सार्वजनिक निवेश को नई गति देने के लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निवेशक यह मानें कि उनके सामने एक नई पेशकश की जा रही है जो अतीत से अलग है। यह महत्त्वपूर्ण होगा कि सभी राज्य इस मिशन में सहयोग करें ताकि देश को निवेशकों के अनुकूल बनाया जा सके। बीते दशक में और इस सरकार के सत्ता में रहते यह प्रयास बार-बार किया गया है कि कारोबारियों के अनुकूल निवेशक नीतियों को प्राथमिकता के रूप में दर्शाया जाए। विनियमन को अगर सही ढंग से अंजाम दिया गया तो वह इन प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मददगार होगा।

आखिर कैसे साफ हो यमुना?

सुनील कुमार महला

> **दिल्ली में प्रदूषण की समस्या एक बड़ी व प्रमुख समस्या रही है, फिर चाहे वह वायु प्रदूषण हो अथवा यमुना नदी में जल प्रदूषण की समस्या हो। गौरतलब है कि भारत की प्रमुख यमुना नदी का प्रदूषण तो कुछ समय पहले दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी एक अहम् और महत्वपूर्ण मुद्दा बना रहा। पाठकों को बताता चलूं कि यमुना नदी का उद्गम स्थल, उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में स्थित यमुनोत्री ग्लेशियर है और यह ग्लेशियर, बंदरपूंछ चोटियों के दक्षिण-पश्चिमी ढलानों पर स्थित है। यमुना नदी की लंबाई 1, 376 किलोमीटर है और यमुना नदी का कुल जलग्रहण क्षेत्र 36, 220 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यह नदी आगरा, मथुरा और दिल्ली सहित कई महत्वपूर्ण शहरों से निकलती है और प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में बहती है, जहाँ यह पवित्र गंगा नदी से मिलती है। भारत के धार्मिक, सांस्कृतिक ग्रंथों में जहां जल में ईश का वास माना गया है, वहीं नदियों को देवी तथा मां तक का संबोधन दिया गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि पौराणिक कथाओं कहीं किसी नदी का उल्लेख किसी की पुत्री, तो किसी का किसी की बेटी, बहन अथवा अर्धांगिनी के रूप में आया है, लेकिन आज देश की नदियों के संरक्षण की आवश्यकता महत्ती है, क्यों कि आज बहुत सी नदियों को प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। बहरहाल, आज यमुना भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में एक प्रदूषित नदी है।वास्तव में, यमुना नदी के प्रदूषण का प्रमुख कारण क्रमशः शहरों से निकलने वाले अथाह सीवेज और औद्योगिक कचरा व गंदा पानी, कृषि अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण, भारी धातु संदूषण, विभिन्न नालों से निकलने वाला गंदा पानी, नदी में डाला जाने वाला घरेलू कचरा आदि हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यमुना में डाले जाने वाले कुल कचरे में घरेलू कचरा दो तिहाई से ज़्यादा होता है। एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार ओखला बैराज और वजीराबाद के बीच यमुना का 22 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह से प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है, जो नदी के 80त्न हिस्से के लिए जिम्मेदार है। जानकारी मिलती है कि नोएडा और पूर्वी दिल्ली से निकलने वाला मलबा शाहदरा नाले से बहकर नदी में आता है और बैराज के नीचे की ओर जाकर नदी में मिल जाता है। हालाँकि, कई अन्य कारक भी हैं, लेकिन दिल्ली का अपशिष्ट उत्पादन यमुना नदी के प्रदूषण का मुख्य कारण है। गौरतलब है कि यमुना बेसिन का 12त्न हिस्सा जंगल से घिरा है, 27त्न बंजर भूमि है, 53त्न कृषि भूमि है और शेष 95त्न कस्बों, गांवों और शहरों से बना है। 53त्न कृषि भूमि पर कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है, जो सीधे यमुना प्रदूषण में योगदान करते हैं। इतना ही नहीं, यमुना नदी बेसिन की कृषि भूमि प्रदूषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। यह भी उल्लेखनीय है कि यमुना नदी बेसिन के पास भूस्खलन का एक और प्रभाव जल प्रदूषण है। आमतौर पर, यह तब होता है जब बारिश होती है। नदी के किनारे पर फेंकी गई सारी मिट्टी और ठोस कचरा, जब जल स्तर अधिक होता है, तो पानी के साथ बह जाता है। पाठकों को यह भी बताता चलूं कि 18 बड़े नालों के जरिये 350 लाख लीटर से अधिक गंदा पानी और सीवेज सीधे यमुना में गिरता है। शायद यही कारण भी है कि आज यमुना न केवल उत्तर भारत में बल्कि पूरे देश में सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है। गौरतलब है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यमुना किनारे टूरिज्म कॉरिडोर के विकास का वादा किया था। बीजेपी की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हमारे देश के पीएम ने जिस तरह यमुना की सफाई को लेकर प्रतिबद्धता जताई तथा, यमुना मैया की जय का नारा लगाया, उससे अब यह उम्मीद जताई जा सकती है कि यमुना फिर से साफ, शुद्ध और निर्मल हो सकेगी। ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि दिल्ली में यमुना 22 किलोमीटर हिस्से में बहती है। यह पूरी यमुना का महज दो प्रतिशत है और यमुना का सबसे प्रदूषित हिस्सा है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार यमुना नदी के प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए वर्ष 2017-2021 के बीच 6500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन अनाधिकृत कॉलोनियों से निकलने वाले सेप्टेज और सीवेज सिस्टम की कमी अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, लेकिन अच्छी बात यह है कि अब इस प्राकृतिक जल स्रोत(यमुना) की सफाई के लिए प्रयास शुरू हो गए हैं। दिल्ली विधानसभा चुनावी बयानबाजी में एक-दूसरे दल के खिलाफ खूब आरोप-प्रत्यारोप हुए। यदि राजनीतिक लाभ-हानि को दरकिनार करें, तो आम जनता को इससे यह एक बड़ा फायदा हुआ कि यमुना का प्रदूषण चुनावों के दौरान एक प्रमुख मुद्दा बन गया। भारत जैसे देश में तो नदियों की पूजा की जाती रही है और यमुना भारत की एक पवित्र नदी थी, आज यह प्रदूषित जरूर हो गई है, लेकिन आज भी लोगों में इसके प्रति विशेष श्रद्धा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि नदियां हमेशा-हमेशा से हमारी सभ्यता-संस्कृतियों के फलने-फूलने का विशेष केंद्र बिंदु रहीं हैं। नदियों का जल जहां पीने के लिए काम आता है, वहीं दूसरी ओर खेती समेत अन्य कार्यों के लिए भी नदियों का जल धरती के सभी प्राणियों, वनस्पतियों तक के लिए महत्वपूर्ण है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अब तक यमुना नदी की साफ-सफाई के लिए सरकार द्वारा बहुत पैसा खर्च किया जा चुका है।

मसलन, वर्ष 1993 में यमुना एक्शन प्लान शुरू हुआ, इसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के 21 शहर शामिल थे। वर्ष 2002 तक इसमें कुल खर्च 682 करोड़ रुपये था। इसके बाद वर्ष 2012 में यमुना एक्शन प्लान चरण (दो) के तहत इस पर 1, 514.70 करोड़ रुपये, एक्शन प्लान चरण तीन के तहत कुल 1, 656 करोड़ रुपये अनुमानित खर्च रहा। गौरतलब है कि इस चरण में दिल्ली में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और ट्रंक सीवर का पुनर्वास आदि शामिल किया गया था। इसी तरह से वर्ष 2015 से वर्ष 2023 तक केंद्र सरकार ने यमुना की सफाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड को(नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा के अंतर्गत)कुल 1, 000 करोड़ रुपये और यमुना एक्शन प्लान-तीन के अंतर्गत 200 करोड़ रुपये दिए गए थे। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2015 में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली की सत्ता में आने के बाद से 700 करोड़ रुपये यमुना की साफ-सफाई पर खर्च किया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 11 परियोजनाओं के लिए जल शक्ति मंत्रालय ने 2361.08 करोड़ रुपये दिए। इसमें यमुना भी शामिल थी। इतना ही नहीं, वर्ष 2018 से 2021 के बीच 200 करोड़ रुपये आवंटित हुए। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार यमुना की सफाई के लिए 1665 करोड़ के बजट के साथ %यमुना एक्शन प्लान% को वित्तपोषित कर रही है और इस कार्ययोजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए भारत सरकार को जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन से सहायता मिल रही है। इस रणनीति को लागू करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। कार्ययोजना के चरण-दर-चरण क्रियान्वयन के लिए दिल्ली को तीन खंडों क्रमशः ओखला, रिठाला और कंडाली में बांटा गया है। बहरहाल, अगर हमें अपने पर्यावरण को साफ और अपने जीवन जीने लायक बनाना है तो हमें निश्चित ही नदियों की सफाई पर विशेष ध्यान देना होगा। हमें यह याद रखना चाहिए कि देश के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का आधार नदियां ही हैं। औद्योगीकरण और बढ़ते शहरीकरण, विकास के कारण नदियों पर संकट कहीं न कहीं अधिक बढ़ा है। बहरहाल, पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि पृथ्वी की सतह पर जो पानी की उपलब्धता है उसमें से 97 प्रतिशत सागरों और महासागरों में है, जो कि नमकीन या खारा है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पानी पीने योग्य नहीं है। केवल तीन प्रतिशत जल ही पीने योग्य है, जिसमें से 2.4 प्रतिशत पानी ग्लेशियरों और उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव में बर्फ के रूप में है। केवल 0.6 प्रतिशत पानी नदियों, झीलों और तालाबों में है, जिसे इस्तेमाल किया जा सकता है। इस हिसाब से हमें नदियों का संरक्षण करना चाहिए। आज कपड़े धोने, पशुओं को नहलाने, खुद नहाने, प्लास्टिक का बेतहाशा इस्तेमाल करने, उसे नदियों में फेंकने इत्यादि सभी कार्यों की वजह से नदियों का जल लगातार प्रदूषित हो रहा है। यह बहुत ही दुखद है कि कल-कारखानों से निकलता हुआ कचरा, कूड़ा-करकट, विभिन्न रासायनिक पदार्थों, गंदगी आदि को नदियों के जल में बिना सोचे-समझे प्रवाहित किया जा रहा है। इससे नदियों का जल बुरे तरीके से प्रदूषित व गंदा हो रहा है। यदि हमें हमारी नदियों को संरक्षित करना है, तो हमे कचरे को नदियों में फेंकना बंद करना होगा। कल-कारखानों को कचरा, रासायनिक पदार्थों आदि को नदियों में कदापि नहीं डालना चाहिए, क्यों कि ऐसा करने से पानी में रहने वाले लाभदायक जीव मर जाते हैं।

यह बहुत ही बड़ी बात है कि आज औधोगिक कचरे को बिना उपचारित किए ही नदियों में डाल दिया जाता है। फैक्ट्रियों को जितना व जहां तक संभव हो सके कचरे को नदियों में डालने से बचना चाहिए। अगर हम सब मिलकर नदियों को संरक्षित करने की शपथ लें तो, हम निश्चित तौर पर नदियों को साफ रख पाएंगे। इसके लिए हमें वृक्षों का संरक्षण करना करना चाहिए, क्यों कि वृक्ष होंगे तो वर्षा होगी और अगर वर्षा होगी तो नदियों का जल स्रोत भी कहीं न कहीं अवश्य ही बढ़ेगा। कहना ग़लत नहीं होगा कि नदियों की साफ-सफाई में आम जनता की भागीदारी भी बहुत ही जरूरी व आवश्यक है, लेकिन संसाधनों के मामले में सरकार की जिम्मेदारी बड़ी व महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आज जरूरत इस बात की है।

सराहनीय है जेलेंस्की का साहस

> **अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में तीखी बहस हो गई। जिस तरह से जेलेंस्की ने ट्रंप की आखों से आखे मिलाकर बात की उसके लिए उनकी सराहना तो बनती है। दुनिया के एक बड़े ताकतवर देश रूस से युद्ध लड़ते हुए ही दुनिया की एक और महाशक्ति से पंगा लेना हर किसी के बूते की बात नहीं है। मुमकिन है रूस से युद्ध के मोर्चे पर लड़ते हुए ट्रंप से पंगा लेना यूक्रेन को भारी पड़ जाए। वैसे भी इस बहस के बाद ट्रंप ने यूक्रेन को दी जानी वाली अरबों डॉलर की मदद बंद करने की बात कह दी थी। बावजूद इसके जेलेंस्की ने ट्रंप की हां में हां मिलाने के बजाए आत्मसम्मान के साथ ट्रंप को उनकी ही भाषा में जवाब दिया। जब नमस्ते ट्रंप करके अमेरिका को खुश करने की कोशिश की जाती रही**

मुस्ताअली बोहरा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में तीखी बहस हो गई। जिस तरह से जेलेंस्की ने ट्रंप की आखों से आखे मिलाकर बात की उसके लिए उनकी सराहना तो बनती है। दुनिया के एक बड़े ताकतवर देश रूस से युद्ध लड़ते हुए ही दुनिया की एक और महाशक्ति से पंगा लेना हर किसी के बूते की बात नहीं है। मुमकिन है रूस से युद्ध के मोर्चे पर लड़ते हुए ट्रंप से पंगा लेना यूक्रेन को भारी पड़ जाए। वैसे भी इस बहस के बाद ट्रंप ने यूक्रेन को दी जानी वाली अरबों डॉलर की मदद बंद करने की बात कह दी थी। बावजूद इसके जेलेंस्की ने ट्रंप की हां में हां मिलाने के बजाए आत्मसम्मान के साथ ट्रंप को उनकी ही भाषा में जवाब दिया। जब नमस्ते ट्रंप करके अमेरिका को खुश करने की कोशिश की जाती रही हो वहीं ट्रंप को उनके ही घर में आईना दिखाने का कारनामा जेलेंस्की ने कर दिया। ट्रंप के साथ हुई तीखी बहस के बाद अब यूक्रेन को दुनिया के अन्य देशों का भी समर्थन मिल रहा है। दोनों के बीच हुई इस तकरार ने अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ते मतभेदों को भी उजागर कर दिया है।

ट्रंप और जेलेंस्की की बीच हुई तीखी बहस ने सारी दुनिया को झकझोर दिया है। यूरोप के कई देश जेलेंस्की के पक्ष में आ गए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस को हमलावर और यूक्रेन को पीड़ित देश

बताया है। मैक्रों ने कहा कि यूक्रेन की मदद करना और रूस पर प्रतिबंध लगाने का हमारा फैसला सहीं था। जर्मनी के संभावित चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि हम यूक्रेन के साथ खड़े हैं। हमें कभी हमलावर और पीड़ित को लेकर भ्रमित नहीं होना चाहिए। पोलैंड के प्रधानमत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि यूक्रेनी मित्र आप अकेले नहीं हैं। एस्टोनिया के प्रधानमंत्री क्रिस्टन मिशल ने कहा कि उनका देश जेलेंस्की और यूक्रेन के साथ एकजुट है। स्लोवेनिया, आयरलैंड, ऑस्टिया, कनाडा, रोमानिया, क्रोएशिया, फिनलैंड, एस्टोनिया, लक्जमबर्ग, पुर्तगाल, मोल्दोवा, स्वीडन, लिथुआनिया, लातविया, चेक गणराज्य, स्पेन, नॉर्वे, नीदरलैंड और बेल्जियम सहित अन्य देशों ने भी यूक्रेन और जेलेंस्की के प्रति एकजुटता दिखाई है। इतना ही नहीं इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने यूरोपीय संघ और अमेरिका की बीच शिखर सम्मेलन का आव्हान करने की बात कही है। कुल मिलाकर, यूक्रेन जैसे छोटे देश ने अमेरिका को उसकी हैसियत उसी के घर पर दिखा दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच बातचीत तीखी बहस के साथ खत्म हुई। जेलेंस्की अमेरिका में ओवल दफ्तर में खनिज समझौते के लिए पहुंचे थे लेकिन रूस-यूक्रेन जंग के सवाल ट्रंप और उप राष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच काफी गहमागहमी हो गई। ट्रंप ने जेलेंस्की पर करोड़ों लोगों की जान से खेलने का आरोप लगाया और कहा कि वो शांति नहीं चाहते। जेलेंस्की तीसरे विश्वयुद्ध का जोखिम ले रहे हैं। ट्रंप का साफ कहना था कि किसी भी संभावित संघर्ष विराम के लिए यूक्रेन को थोड़ा झुकना होगा क्योंकि वो रूस के साथ जंग नहीं जीत सकते। दोनों के बीच जुबानी जंग इतनी बढ़ी कि एक वक्त जेलेंस्की को बोला पड़ना कि जोर से मत बोलिए। इस घटनाक्रम से रूस में तो खुशी का माहौल है।

पूर्व रूसी राष्ट्रपति, रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख और पुतिन के सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि ओवल ऑफिस में जेलेंस्की के साथ सही सुलूक हुआ। रूसी नेताओं का कहना है कि जेलेंस्की के अड़ियल रवैये ने रूस-यूक्रेन के बीच समझौता कराने का ट्रंप का बड़ा सपना तोड़ दिया। इस तकरार ने रूस को एक और अतिरिक्त मौका मुहैया करा दिया है।

दुनिया भर में अब इस बहस को लेकर चर्चा हो रही है। ट्रंप के रैवेये से नाराज देशों के नेताओं का कहना है कि अब साफ बोलने के समय आ गया है। इस युद्ध में अमेरिकी नेतृत्व ने पाला बदल लिया है लेकिन अमेरिकी लोगों ने पाला नहीं बदला है। जेलेंस्की के पक्ष में सहानुभूति दिखाई दे रही है।

कहा जा रहा है कि वो कोई तानाशाह नहीं थे न कोई बदनाम राजनेता थे, वो यूक्रेन के राष्ट्रपति हैं जो 21वीं सदी में सबसे भयावह आक्रमण से पीड़ित देश के नेता हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते थे कि जेलेंसकी उनके सामने झुकें। बातचीत के दौरान ट्रंप ने कई बार गलत तथ्य और आंकड़े पेश किए और जेलेंस्की ने उन्हें दुरूस्त किया। कुल मिलाकर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजर यूक्रेन के दुलर्भ खनिज खजाने पर गड़ी है। रूस से साथ चल रहे युद्ध के बीच डोनाल्ड ट्रंप अपना हित साधना चाहते हैं लेकिन पिछले कुछ वक्त से जिस तरह अमेरिका की सुर बदले और वो रूस का समर्थन करते नजर आया उसे जेलेंस्की ने भांप लिया है। यही वजह है कि जेलेंस्की तमाम दबाव के बावजूद झुके नहीं। बहरहाल, ट्रंप को उनके ही घर में आंखे दिखाने और उनके सामने ना झुकने के कारण जेलेंस्की पूरी दुनिया में अमरिकी पीड़ित देशों के नेता के रूप में उभरे हैं। जेलेंस्की ने अमरिकी विरोधियों को एक मंच पर आने के लिए मजबूर कर दिया है। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि ये तकरार किस रूप में खत्म होती है।

भाजपा अध्यक्ष के लिए मंथन: महिला को मिल सकती है जिम्मेदारी, वनथी और दग्गुबाती की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के भीतर अध्यक्ष को लेकर विचार मंथन चल रहा है। इसमें किसके नाम पर सहमति बनेगी फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन भीतरखाने से जो निकलकर आ रहा है उसमें यही माना जा रहा है कि किसी महिला को भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसमें सुषमा स्वराज के नाम पहचान बना चुकी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन एवं आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं।

भाजपा मार्च के मध्य तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करने वाली है। यह निर्णय पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के बाद लिया जाएगा। भगवा पार्टी फिलहाल 13 से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव आंतरिक सहमति से किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के इतिहास में पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की संभावना है। इस बात की

भी चर्चा है कि भाजपा दक्षिण भारत से किसी को यह जिम्मेदारी दे सकती है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि भाजपा अगर किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनती है तो महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन या आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी की दावेदारी इस पद के लिए सबसे अधिक है। 66 साल की पुरंदेश्वरी ने 2014 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी और संगठनात्मक मामलों में उनका महत्वपूर्ण अनुभव है। वर्तमान में वह आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अध्यक्ष हैं और एक तेज-तर्रार महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं।

भाषण के कारण सुषमा से तुलना

पुरंदेश्वरी को दक्षिण की सुषमा स्वराज के नाम से भी जाना जाता है। उनकी शानदार भाषण क्षमता और पांच भाषाओं में प्रवीणता के कारण उन्हें बीजेपी के समर्थकों में व्यापक स्वीकृति प्राप्त है। वहीं, वनथी श्रीनिवासन पार्टी के रणनीतिकार और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते देखा गया था। एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने बताया, वह अपनी मोर्चा के तहत कई सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह द्वारा उन पर भरोसा किया जाता है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 11 करोड़ की कोकीन जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चेकिंग के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक महिला को करोड़ों रूपये की कोकीन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ब्राजील की निवासी है, जो भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। महिला शातिर तरीके से कोकीन के कैप्सूल निगलकर ब्राजील से भारत आई थी। बताया गया है कि महिला अपने पेट के अंदर करीब 11 करोड़ की कोकीन छिपाकर तस्करी कर ब्राजील से मुंबई ला रही थी, लेकिन तस्कर महिला को मुंबई एयरपोर्ट पर ही पकड़ लिया गया। डीआरआई के अधिकारियों ने उस ब्राजीलियाई महिला को साओ पाउलो से भारत में ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ने भी तस्करी की बात कबूल भी की है। दरअसल चेकिंग के दौरान महिला ने खुद भी स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल्स निगले थे। इसके बाद उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने 100 कैप्सूल्स बाहर निकाले। इनमें कुल 1,096 ग्राम कोकीन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग 10.96 करोड़ आंकी गई है।

महाकुंभ में स्नान करने वाले किसी को भी नहीं हुआ त्वचा रोग : पाठक

-संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं ने उठाए थे सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं पर कहा कि महाकुंभ स्नान के बाद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। दरअसल विपक्षी नेताओं ने दावा किया था कि संगम में स्नान करने के बाद कई तीर्थ यात्री बीमार हो गए। पाठक ने कुंभ के दौरान की गई साफ-सफाई की तारीफ करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों की भारी संख्या के बावजूद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि गंगा की शुद्धता और कार्यक्रम के दौरान लागू किए गए स्वच्छता उपायों की सफलता पर जोर दिया। पाठक ने कहा कि सनातन और भारतीय संस्कृति पर आज से हमले नहीं हो रहे हैं, यह हमले सदियों से हो रहे हैं। हमारे वेद, पुराणों, श्रुतियों और स्मृतियों पर कुठाराघात किया गया। उन्होंने कहा कि तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्रों को नष्ट किया गया लेकिन हमारी संस्कृति अक्षुण्ण रही और वह दुनिया को मार्ग दिखती रही। हमारी संस्कृति में मनुष्य श्रेष्ठ है, जीव जंतु और वृक्ष भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। पूरी दुनिया हमारा परिवार है। यह सनातन के मूल में है। पाठक ने कहा कि महाकुंभ में हमने देखा 90 साल की सास को उसकी बहू कंधे पर उठाकर ले जा रही है। महाकुंभ में पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से लोग आए, देश ही नहीं विदेशों से लोग आए। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक उत्सव भारत और भारतीयता का परिचायक बना है। 2014 के बाद से पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में आमूल चूल परिवर्तन आया है। आज हम गर्व से कहने लगे हैं कि हम भारतीय हैं।

अवैध तरीक से भारत में रही बांग्लादेशी महिला को कोर्ट ने दी सजा, कहा वापस भेजा जाए

ठाणे(एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक कोर्ट ने बांग्लादेशी महिला को भारत में अवैध रूप से रहने का दोषी माना है। कोर्ट ने उसे 14 माह 28 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में 27 फरवरी को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि तानिया को देश से निर्वासित किया जाए। उन्?हें वापस बांग्लादेश भेजा जाए। मुकदमे के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कोर्ट को बताया कि तानिया बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के मुंबई के बाहरी इलाके में रह रही थी। कोर्ट ने कहा कि विदेशी अधिनियम के मुताबिक अपनी राष्ट्रीयता साबित करने का दायित्व आरोपी पर है। बता दें कि लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने अभी तक दर्जनों अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस उनके देश भेज चुकी हैं। कुछ मामलों में कोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणियां की है। सेशंस जज ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी का भारत में कोई स्थायी या अस्थायी पता नहीं है और वह भारतीय राष्ट्रीयता का कोई वैध प्रमाण देने में विफल रही है। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने तानिया को सजा सुनाई, जो उसने 9 दिसंबर 2023 को अपनी गिरफ्तारी के बाद से पूरी कर ली है। कोर्ट ने उसे निर्वासित करने का आदेश दिया है। इसके अलावा उसपर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने कहा कि अगर वह जुर्माना नहीं भरती है तो उसे एक महीने की सश्रम कारावास की सजा काटनी होगी।

बगैर भारत के जिक्र किए पाकिस्तान में बच्चों को पढ़ाया जा रहा इतिहास

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान की हिस्ट्री क्लास भारत से बहुत अलग है। पाकिस्तान के स्कूलों में इतिहास का सिलेबस मुख्य रूप से 'पाकिस्तान स्टडीज़' के अंतर्गत पढ़ाया जाता है। पाकिस्तान के ज्यादातर स्कूलों में इतिहास की पढ़ाई 711 ईस्वी में मुहम्मद बिन कासिम के सिंध पर आक्रमण से शुरू होती है। इसे पाकिस्तान में इस्लाम की एंट्री का प्रतीक माना जाता है। कुछ किताबों में हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता जैसी प्राचीन भारतीय सभ्यताओं का उल्लेख है, लेकिन वहां इन्हें विस्तार से नहीं पढ़ाया जाता है। इनका संबंध पाकिस्तानी पहचान से कम ही जोड़ा जाता है। वहीं, भारतीय स्कूलों में प्राचीन सभ्यताएं इतिहास का जरूरी हिस्सा हैं। पाकिस्तान स्कूल हिस्ट्री सिलेबस में मुगल काल, दिल्ली सल्तनत और अन्य मुस्लिम शासकों (जैसे गजनवी, गौरी) पर फोकस किया जाता है। इन कालखंडों को इस्लामी स्वर्ण युग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें हिंदू शासकों (जैसे मौर्य, गुप्त) या गैर-मुस्लिम इतिहास का जिक्र नहीं होता है। पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है और वहां की इतिहास की किताबों में इस बात को समझा जा सकता है। भारत में हर काल का इतिहास पढ़ाया जाता है।

मछुआरों की परेशानी पर राज्यपाल रवि ने कहा, 1974 की 'गलती' के लिए द्रमुक भी जिम्मेदार

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि मछुआरों के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और इसके लिए केंद्र को दोषी ठहराने के बजाय राज्य सरकार का

रचनात्मक दृष्टिकोण मछुआरों के आंसू पोंछने में काफी मददगार साबित होगा। श्रीलंका से गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की शीघ्र रिहाई की मांग करने वाले प्रदर्शनकारी मछुआरों से रामेश्वरम में मुलाकात के बाद रवि ने कहा कि मछुआरा समुदाय 1974 में (भारत और श्रीलंका के बीच) एक 'अन्यायपूर्ण समझौते' का शिकार है, जो राज्य के गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था। राज्यपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) 1974 की गलतियों के लिए समान रूप से जिम्मेदार है, क्योंकि वह उस समय सत्ता में थी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्यपाल रवि ने कहा, ''आज रामेश्वरम की अपनी यात्रा के दौरान मैंने मछुआरा समुदाय के हमारे परेशान भाइयों और बहनों से मुलाकात की। मैं उनके साथ गहरी सहानुभूति रखता हूं। वे 1974 के एक अन्यायपूर्ण समझौते के शिकार हैं, जो हमारे गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था।

सीएम फडणवीस ने शिंदे के फैसले पर लगाई रोक, सफाई के ठेके को किया रद्द

-संजय राउत ने ली चुटकी, भ्रष्टाचार रोकने सीएम के फैसले का किया स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के रिश्तों में सबकुछ खटास नजर आ रही है या फिर दोनों के बीच सबकुछ ठीक होने का दिखावा किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि सीएम फडणवीस ने शिंदे के कार्यकाल में हुए एक और फैसले पर रोक लगा दी है। जब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम थे, तब तानाजी सावंत के पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उस समय अधिकारियों के तबादले, एम्बुलेंस की खरीद में अनियमितता के आरोप लगे थे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की सफाई का काम ठेके पर दिया था। इसके लिए हरसाल 638 करोड़ रुपए के हिसाब से तीन साल के लिए 3,190 करोड़ रुपए का ठेका पुणे की एक निजी कंपनी को दिया था, लेकिन अब इस ठेके को फडणवीस ने रद्द कर दिया है।

इस फैसले को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे गुप्त संघर्ष का संदेह विपक्ष जता रहा है, लेकिन शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा इस फैसले के पीछे कोई पार्टीगत कारण नहीं है। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि हर सरकारी विभाग को नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं।

इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) पार्टी के नेता संजय राउत ने भी इस फैसला का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में जो काम हुए, उनमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ था। शिंदे के समय स्वास्थ्य मंत्री कौन थे, यह सभी को पता है। बीजेपी ने भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध किया था। उनमें से एक स्वास्थ्य मंत्री भी थे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग सीधे जनता से जुड़ा होता है, लेकिन अगर उस विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है तो यह सही नहीं है। सीएम देवेंद्र फडणवीस अगर इस भ्रष्टाचार को रोक रहे हैं तो हम उनका स्वागत करते हैं।

उत्तर भारत में मौसम के बदलते मिजाज से लोग परेशान

पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत में मार्च के पहले हफ्ते में मौसम का अंदाजा लगाना मुश्किल साबित हो रहा है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में लगातार बदलते मौसम ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार, 2 से 4 मार्च के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना है। दिल्ली में भी मौसम की उलझन जारी है, हालांकि रविवार को बादल छाए रह सकते हैं। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव लिया जा रहा है, जिसका असर प्रदेश के सभी जिलों में देखने को मिल सकता है। ग्रीन अलर्ट जारी कर दिया गया है और न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाएं और बारिश की संभावना है, जिससे मौसम और भी उलझनियों से भरा हो सकता है। लोगों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। यहां बारिश और ओले गिरने से मौसम फिर से ठंडा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा जिसका असर उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश के सभी जिलों में मौसम साफ रहेगा और इसके लिए ग्रीन अलर्ट जारी किया गया है। अगले 5 दिनों तक मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को लक्षद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है। तटीय कर्नाटक में लू चलने की संभावना है जबकि गोवा के विभिन्न इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम हो सकता है। इसके अलावा भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और मालदीव के आसपास के इलाकों में तेज हवाएं

चल सकती हैं जिनकी रफ्तार 35 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। मौसम विभाग ने इन इलाकों में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

पंजाब में नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि राज्य मं नशे और नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी और नशा का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मान के इस दावे का आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पंजाब में नशे के खिलाफ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।' दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में दावा किया कि किसी भी स्थिति में नशे को पंजाब से समाप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान में पुलिस, स्थानीय प्रशासन और अन्य सरकारी विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। इसी कड़ी में मंत्री और उच्च प्रशासनिक अधिकारी लगातार मुख्यमंत्री के साथ बैठकें कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करें और इसे जड़ से खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाएं। पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच मंत्रियों की बनी सब कमेटी की पहली बैठक आयोजित की। इस बैठक में नशे से जुड़ी सभी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, तरुणप्रीत सिंह सोंध, डॉ बलबीर सिंह और लालजीत सिंह भुल्लर भी मौजूद थे। इसमें पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा भी शामिल हुए। सभी ने नशे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान को लेकर मंथन किया। मंत्रियों को कुछ जिले सुपुर्द किए गए हैं।

मंत्री हरपाल चीमा को पठानकोट, गुरदासपुर, नवांशहर, रोपड़, तरनतारन और होशियारपुर जिलों का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को लुधियाना, पटियाला, कपूरथला, मोहाली, अमृतसर और जालंधर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री तरुणप्रीत सोंध को संगरूर, बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, मोगा और मलेरकोटला जिलों की निगरानी सौंपी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को फरीदकोट, मुक्तसर, मानसा, फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह को पूरे पंजाब का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ डिपार्टमेंट की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा करेंगे और नशे की समस्या से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएंगे।

बीजेपी पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करें, कई नेता हमारे संपर्क में

-कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस में विभाजन की खबरों को किया खारिज

बंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस सरकार में विभाजन की अफवाहों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि बीजेपी के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी को पहले अपना घर ठीक करना चाहिए। जैसा कि मेरे कुछ मंत्रियों ने कहा है, कई बीजेपी विधायक हमसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहता। बीजेपी टूटे हुए घर की तरह है, जबकि कांग्रेस एकजुट है।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने 26 फरवरी को शिवरात्रि उत्सव के दौरान धर्मगुरु जग्गी वासुदेव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंच साझा करने के बाद विवाद पैदा हो गया था। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस कदम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि सद्गुरु और शाह ने कांग्रेस पर खुलेआम हमला किया था। इसके बाद पार्टी में आंतरिक कलह की

अफवाहें फैलने लगी थी। बीजेपी ने दावा किया कि शिवकुमार कांग्रेस छोड़ सकते हैं और बीजेपी की मदद से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं।

शिवकुमार ने अपने इस फैसले को धार्मिक यात्रा बताते हुए राजनीतिक नहीं होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सद्गुरु कर्नाटक के हैं और वे कावेरी जल के मुद्दे पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था। उनका बड़ा अनुयायी वर्ग है और वे महान काम कर रहे हैं। वहां कई राजनीतिक दलों के विधायक और नेता भी थे, इसलिए मैं वहां गया था।

सीएम पद को लेकर शिवकुमार ने बार-बार दिल्ली में पार्टी के नेताओं से यह मांग की है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। विधानसभा चुनावों के बाद एक शक्ति-विभाजन समझौता हुआ था। हालांकि, सिद्धारमैया खेमे ने ऐसे समझौतों को नकारते हुए दावा किया है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सीएम के करीब दर्जनों मंत्रियों ने पिछले कुछ हफ्तों में शिवकुमार के दावों पर खुलकर सवाल उठाए हैं। शिवकुमार की तुलना एकनाथ शिंदे से कर्नाटक बीजेपी ने शिवकुमार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से तुलना करते हुए यह कयास लगाए कि वे कांग्रेस में विभाजन उत्पन्न कर सकते हैं।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस में कई नेता एकनाथ शिंदे की तरह हो सकते हैं। डीके शिवकुमार उनमें से एक हो सकते हैं। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने भी कांग्रेस पार्टी में आंतरिक कलह बढ़ने की बात कही है। हालांकि, शिवकुमार ने इन सभी राजनीतिक अफवाहों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है।

सड़क पर पड़ा था लावारिश सूटकेस, खोला तो निकली कांग्रेसी नेत्री की लाश

-हाथ में लगी थी मेंहदी, गले में थी चुनरी, मुंह से निकल रहा था खून

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के संपाला बस अड्डे पर रात एक नीले रंग का लावारिस सूटकेस मिला। इस सूटकेस को जब खोला गया तो सब हैरान रह गए। सूटकेस में एक लड़की की लाश थी, जब शिनाख्त की गई तो युवती कांग्रेस कार्यकर्ता निकली, जिसका नाम हिमानी नरवाल (30) है। हिमानी की मौत से हरियाणा में हड़कंप मच गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी की हत्या गला घोंट कर की गई है। मारने से पहले उसे उसको खूब पीटा गया, जिस कारण उसके शरीर की कई हड्डियां टूट गईं थीं। फिर उसका गला घोंट दिया गया। इसके बाद हिमानी की लाश को सूटकेस में भरकर सूनसान जगह फेंक दिया था। अब पुलिस हिमानी की हत्या करने वाले का पता लगा रही है।

जानकारी के मुताबिक सूटकेस में लाश मिलने के बाद हिमानी की पहचान नहीं हो सकी थी। कुछ घंटों बाद परिजनों ने शव की पहचान की। पुलिस जब हिमानी

के घर विजयनगर पहुंची, तो घर पर ताला लगा था। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, ताकि उस गाड़ी का पता चल सके, जिसने सूटकेस फेंका था। इसके अलावा हिमानी का फोन भी गायब था पुलिस फोन को भी ट्रैक कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी के गले में काले रंग की चुन्नी थी उसी से गला घोंटा गया होगा क्योंकि वह चुन्नी सूटकेस में ही मिली है। हिमानी के हाथों में मेहंदी लगी थी और उसके होंठों से खून बह रहा था, जिससे साफ होता है कि हत्या से पहले वह बहुत दर्द में रही होगी। हिमानी कांग्रेस पार्टी की एक सक्रिय कार्यकर्ता थीं और सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय थीं। वह पिछले साल राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुई थीं। उसकी हत्या से कांग्रेस में भी शोक की लहर है। कांग्रेस ने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है।

बताया जा रहा है कि हिमानी का परिवार पहले भी कई दुखद घटनाओं से गुजर चुका है। हिमानी से पहले उनके भाई की भी हत्या की गई थी। इसके अलावा उनके पिता ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी थी। अब हिमानी की हत्या ने पूरा परिवार सदमे में है।

नीतीश और ममता के बाद अब कौन संभालेगा इंडिया गठबंधन की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए को टक्कर देने के लिए भाजपा विरोधी कई दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया था। इसके लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने खूब भागदौड़ की थी। अंतत~रिजल्ट वहीं के वहीं रहा। इस गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए कई चेहरे सामने आए जिसमें खुद नीतीश कुमार, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और राहुल गांधी के नाम की भी चर्चा हुई। चर्चा सिर्फ चर्चा रह गए और इसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब एक बार फिर नेतृत्व को लेकर बात हो रही है, इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बात होने लगी है।

कई राज्यों में चुनावी हारों के बाद देश भर से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के भीतर से आवाज उठने लगी। अधिकतर सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह गठबंधन अब अपना महत्व खो रहा है। ऐसा कांग्रेस पार्टी की वजह से हो रहा है। दिल्ली में गठबंधन के दो सहयोगी दलों कांग्रेस और आप के अलग-अलग चुनाव लड़ने के कारण राज्य में भाजपा को शानदार जीत मिली है। इसी तरह हरियाणा में भी कांग्रेस और आप ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था और वहां भी अनुमान के विपरीत भाजपा को शानदार जीत मिली थी।

इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और आप के बीच तकरार का असर इंडिया गठबंधन के भविष्य पर पड़ने लगा। सहयोगी दलों से आवाज उठने लगी कि गठबंधन में कोई बड़ा नेता संयोजक पद पर होना चाहिए। इसमें सबसे बड़ा नाम पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी मुखिया ममता बनर्जी का था। ममता बनर्जी ने भी खुलेआम संयोजक की भूमिका निभाने की इच्छा जता चुकी है। फिर महाराष्ट्र में गठबंधन से सहयोगी दलों शिवसेना उद्धव गुट और शरद पवार की एनसीपी ने भी कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाए। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल पूछे। दिल्ली चुनाव के दौरान आप नेता अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया गठबंधन से ही कांग्रेस को बाहर करने की मांग कर डाली थी।

इन सबके बीच अब इंडिया के संयोजक पक्ष के लिए एक नए चेहरे के नाम की चर्चा हो रही है। वो हैं सपा मुखिया अखिलेश यादव। सपा के एक बड़े नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि यूपी में अखिलेश यादव सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। लोकसभा में सपा दूसरी सबसे बड़ी विपक्ष पार्टी है। उसके पास 37 सांसद हैं। ऐसे में हम चाहते हैं अखिलेश यादव हो इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद दिया जाए।

भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो कड़ी मेहनत जरुरी

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ ने वर्क-लाइफ बैलेंस पर रखी अपनी बात

नई दिल्ली। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा है कि भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, न कि वर्क-लाइफ बैलेंस की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि कम काम करने की बातें करना फैशन बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को हफ्ते में 80 या 90 घंटे काम करना चाहिए। अमिताभ कांत के मुताबिक वर्क-लाइफ बैलेंस पर बहस युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि लोग समय सीमा से पहले प्रोजेक्ट पूरे करें, के वालिटी से समझौता न करें और लागत को कंट्रोल में रखें। उन्होंने कोरिया और जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने कड़ी मेहनत से आर्थिक सफलता हासिल की है। उन्होंने भारत में भी ऐसी ही मानसिकता अपनाने की अपील की है। कांत नीति आयोग के सीईओ रह चुके हैं। वह वर्क-लाइफ बैलेंस पर चल रही बहस पर अपनी राय रख रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत को 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो कड़ी मेहनत करनी होगी जो जरुरी है। कांत ने कहा कि मैं कड़ी मेहनत में विश्वास रखता हूं। भारतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, चाहे वह 80 घंटे हो या 90 घंटे प्रति सप्ताह। आपकी महत्वाकांक्षा 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की है तो आप इसे मनोरंजन या कुछ फिल्मी सितारों के विचारों का पालन करके नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि समय सीमा से पहले परियोजनाओं को पूरा करना, गुणवत्ता से समझौता न करना और लागत सीमा से ज्यादा न होना अहम है। कांत ने कहा कि लंबे समय तक काम करने के बावजूद वर्क-लाइफ बैलेंस बनाना संभव है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं हर दिन काम करता हूं, व्यायाम करता हूं, गोल्फ खेलता हूं और फिर भी कड़ी मेहनत करता हूं।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है। फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। देश की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो कि इससे पहले की तिमाही में 5.6

प्रतिशत (संशोधित अनुमान) थी। सरकार द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस दौरान चालू वित्त वर्ष के लिए नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

आयात शुल्क बढ़ने के बावजूद बीते सप्ताह अधिकांश तेल- तिलहन के दाम टूटे

उपलब्धता में कमी और सस्ता होने से मांग बढ़ने के कारण बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह केंद्र सरकार के द्वारा आयातित खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने के बावजूद पिछले सप्ताहांत में शिकॉगो एक्सचेंज में भारी गिरावट रहने के कारण करोबारी दवाब बढ़ने से ज्यादातर तेल-तिलहनों की कीमत गिरावट के साथ बंद हुई। उपलब्धता में कमी और सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण केवल बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशों में पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के दाम टूटे हैं और हमारे देश में इस गिरावट का असर व्यापक तेल-तिलहनों पर भी देखा गया जिससे उनके दाम में गिरावट आई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,250-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो), सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 80-130 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,200-4,250 रुपये और 3,900-3,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 200 रुपये, 200 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,150 रुपये, 13,750 रुपये और 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 5,600-5,925 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 10 रुपये की गिरावट के साथ 14,300 रुपये और 2,200-2,500 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 3,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों ने पिछले माह भारतीय शेयर बाजार से 34,574 करोड़ निकाले

- एफपीआई की निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पार

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की हैं। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई की कुल निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वैश्विक व्यापार तथा कंपनियों की आय को लेकर चिंता के बीच एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और कॉरपोरेट आय में वृद्धि को लेकर चिंताओं के कारण एफपीआई लगातार निकासी कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी में भारतीय शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई 1,12,601 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। जिंस कीमतों में गिरावट और उपभोक्ता खर्च में कमी से यह समस्या और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत में ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां मूल्यांकन कम है। लेकिन इस प्रक्रिया में, वे आकर्षक मूल्यांकन वाले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में बिक्री कर रहे हैं। एफपीआई की बिकवाली में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास यह है कि वे वित्तीय सेवाओं में भारी मात्रा में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसका मूल्यांकन आकर्षक है। इसके अलावा वे ऋण या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 3.09 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रही

मुंबई

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 1,09,211.97 करोड़ रुपये घटकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये रह गया। इससे शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक सूची में दूसरे स्थान पर है। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 52,697.93 करोड़ रुपये घटकर 7,01,002.22 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 39,230.1 करोड़ रुपये घटकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये पर आ गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 38,025.97 करोड़ रुपये घटकर 16,23,343.45 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 29,718.99 करोड़ रुपये घटकर 6,14,236.97 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,775.78 करोड़ रुपये घटकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 11,700.97 करोड़ रुपये घटकर 5,14,983.41 करोड़ रुपये रह गई। आईटीसी का मूल्यांकन 7,882.86 करोड़ रुपये घटकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों के बिगड़ते जा रहे हालात

- सोशल मीडिया पर छाया मीम्स का तूफान

नई दिल्ली । शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार औंधे मुंह गिरा जब निफ्टी करीब 9 महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ, साथ ही बीएसई के सभी सेक्टर इंडेक्स में बिकवाली देखने को मिली। भारत के शेयर बाजार में दरार की मार ने निवेशकों को तगड़े झटके दिए हैं। सिर्फ फरवरी में ही सेंसेक्स में 4000 अंक की गिरावट आने से निवेशकों के 40 लाख करोड़ रुपये उड़ गए हैं। इस दुखद स्थिति में सोशल मीडिया पर मीम्स का तुफान छाया हुआ है। निवेशकों के दु:ख को दिखाने के लिए बनाए गए मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर्स ने जोक के अंदाज में लिखा है- फिलहाल शेयर बाजार की स्थिति, 25 दिन में पैसा आधा। ये मीम्स लोगों के मनोरंजन के साथ-साथ शेयर बाजार की सच्चाई को भी उजागर कर रहे हैं। सिख लो, हंसो और जिए - इसी दु:खद समय में मीमर्स ने दिखाया है कि उनका कौन सा असली हौंसला है।

राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी: नीति आयोग

नई दिल्ली । नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी है और इसके एक-दो महीने में जारी होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में प्रतिस्पर्धी सहकारी संघवाद की भावना को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में राज्यों का निवेश अनुकूलता सूचकांक लाने की घोषणा की गई है। यह सूचकांक राज्यों को नियमों की समीक्षा के लिए प्रेरित करेगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश को क्या बाधित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के परामर्श से राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक से संबंधित मानदंडों पर काम कर रहा है। विरमानी ने कहा, सूचकांक तैयार करने का पहला चरण पूरा हो गया है। दूसरे चरण पर काम जारी है। इसमें उद्योग से सुझाव लिये जा रहे हैं।

एसबीआई रिपोर्ट:भारत की जीडीपी विकास दर 25 वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी होगी

नई दिल्ली । एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वित्त वर्ष 25 के भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी विकास दर की 6.5 फीसदी से उम्मीद की जा रही है, जो कि एक स्थिर और सुखद वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही रिपोर्ट में उल्लेख था कि चौथी तिमाही में विकास दर 7.6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदिर स्थिति को दर्शाता है। इसमें मई 2025 के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन की संभावना भी शामिल है। इस समय की अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर को 9.2 फीसदी बताया, जो लंबे समय के बाद सबसे अधिक है। इसमें कोरोना महामारी के पश्चात उठाई गई अर्थव्यवस्था की रिकवरी का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की तुलना में अधिक है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुख्य उद्यमिक गतिविधियों में भी वृद्धि देखी गई है, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड में उछाल के रूप में प्रकट हुआ है। इस इसकी संक्षेप में, वित्त वर्ष 24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर में संशोधन किया गया है, जो एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता की ओर एक चिंताजनक कदम है।

भारत में निजी उपभोग हुआ लगभग दोगुना

नई दिल्ली । भारत में निजी उपभोग 2013 के 1000 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर वर्ष 2024 में 2100 अरब डॉलर हो गया। यानी प्राइवेट कंजम्पशन सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमरीका, चीन और जर्मनी से भी अधिक है। देश में निजी उपभोग में बंपर बढ़ोतरी हुई है। डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर अग्रसर है और जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और खर्च में होने वाले मौलिक बदलाव को दर्शाता है। आय बढने से ग्रामीण और शहर इलाकों में परिवारों का अपैरल, फुटवियर, ट्रैवल और वेलनेस पर खर्च बढने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रिटेल मार्केट वर्ष 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2030 तक 10,000 अमरीकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढने की उम्मीद है। इससे अधिक आय वाले लोगों की संख्या वर्ष 2024 में 6 करोड़ है, जो 2030 तक बढक़र 16.5 करोड़ होने की उम्मीद है।

जहां से टेस्ला बिकेगी उस जगह का किराया होगा 35 लाख रुपए महीना

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला अपने कारें भारत में भी विक्रय करेगी। इसके लिए शो रुम कहां और कैसे होंगे इसका काम भी लगभग पूरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने भारत में अपने शोरूम के लिए लोकेशन और एरिया फाइनल कर लिया है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मेकर मैक्सिटी में अपने शोरूम के लिए जगह फाइनल कर ली है। इसके अलावा, दिल्ली के एयरोसिटी में भी एक नया शो रूम खोलने की कंपनी की योजना है। मेकर मैक्सिटी में कार शोरूम की जगह लगभग 3,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और यह मेकर मैक्सिटी के कमर्शियल टॉवर के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। इस जगह का मंथली किराया लगभग 35 लाख रुपये है और इसमें कुछ कार पार्किंग भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि टेस्ला ने दिल्ली में लगभग 4000 वर्ग फुट का शोरूम स्पेस फाइनल किया है और इसका मंथली रेंट लगभग 25 लाख रुपये है। सूत्रों के मुताबिक, टेस्ला ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टी में स्थित एयरोसिटी एरिया में शोरूम स्पेस का लीज फाइनल किया है। टेस्ला की ओर से शोरूम खोलने के लिए यह समझौता उस मीटिंग के कुछ हफ्तों बाद किया गया है, जब टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मुलाकात की थी।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से बाजार में बढ़ी बिकवाली

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में भारतीय बाजारों से निकाले 34,574 करोड़

-इस साल अब तक 1.12 लाख करोड़ के शेयर्स बेचे, हाई वैल्यूएशन की वजह से लगातार पैसा निकाल रहे

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार खतरे के निशान के दौर से गुजर रहा है। इसकी एक वजह है विदेशी निवेशकों (फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का मोहभंग। ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपए निकाले हैं। वहीं 2025 के पहले दो महीनों जनवरी और फरवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने टोटल 1.12 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। जनवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे।

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉरपोरेट इनकम में ग्रोथ को लेकर चिंताओं के कारण फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सलगातार पैसे निकाल रहे हैं। दिसंबर 2024 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने भारतीय शेयर बाजारों में 15,446 करोड़ रुपए निवेश किए थे।

11,639.02 करोड़ के शेयर्स बेचे

वहीं पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सनेट सेलर्स बने रहे। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स बायर्स बने रहे। प्रोविजनल डेटा के अनुसार, 28 फरवरी को फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 11,639.02 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे, जबकि डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 12,308.63 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 28,065.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 15,756.92 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 39,239.44 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 50,878.46 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर

बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर बढ़ रहा है। वित्त-वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं, जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, भारत में हाई वैल्यूएशन की वजह से फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सबिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां वैल्यूएशन कम है। इतना ही नहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सफाइनेंशियल सर्विसेज में बड़े पैमाने पर बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसकी वैल्यूएशन आकर्षक है।

डेट और बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे विदेशी

इसके अलावा फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सडेट या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं। फरवरी महीने में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने बॉन्ड बाजार से जनरल लिमिट के तहत 8,932 करोड़ रुपए और वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 2,666 करोड़ रुपए निकाले। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सका 2024 में भारतीय बाजार में निवेश 427 करोड़ रुपए रहा था। इससे पहले 2023 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 1.71 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था।

अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख से तय होगी घरेलू शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। ऐसा बाजार के विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है। विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर हो सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी। आने वाले समय में बाजार की स्थिति कमजोर रह सकती है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। वृहद आर्थिक मोर्चे पर सप्ताह के दौरान एचएसबीसी विनिर्माता और सेवा पीएमआई आंकड़े आएंगे, जिनपर निवेशकों की निगाह रहेगी। एक फायनें सियल कंपनी प्रमुख का मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा। दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.6 प्रतिशत के संशोधित आंकड़े से अधिक है। हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता अक्सर वास्तविक घटनाक्रम से अधिक महत्वपूर्ण होती है, और बाजार वर्तमान में संभावित व्यापार युद्ध की चिंता से जूझ रहा है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली का दबाव लगातार बढ़ रहा है। फरवरी में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो घरेलू खपत से बढ़ा है और संभावित आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल आधार पर, केंद्रीय जीएसटी से संग्रह 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

भारत में कोयला उत्पादन में 5.73 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली । भारत में कोयला उत्पादन अप्रैल से फरवरी अवधि में 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके अनुसार, प्रतिवर्ष कोयला सेक्टर में मजबूत वृद्धि को दर्ज किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सालाना आधार पर कोयले का समुदायिक उत्पादन 929.41 मिलियन टन पर पहुंच गया है, जो पिछले साल के 880.92 मिलियन टन की तुलना में है। मंत्रालय के अनुसार यह सुनिश्चित करता है कि देश बढ़ती मांग को संतुलित रूप से पूरा करता है। सरकार इस सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन दक्षता को बढ़ा रही है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि सरकार कोयला परियोजनाओं की मंजूरी में सुधार के लिए कदम उठा रही है। इसके अतिरिक्त कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एक गृहणियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल गृहणियों को प्राथमिक देखभाल के बारे में जागरूक करने का उद्देश्य रखती है। इस बाबत, एनसीएल की योजना है कि जून तक 8,000 गृहणियों को प्राथमिक देखभाल करेगा।

विदर्भ ने तीसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब, फाइनल में केरल को हराया

दुबई (एजेंसी)। नागपुर - विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर रविवार को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया।

विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जोड़े थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षय वड़कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया।

दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिए थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिए। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

विराट 300वें एकदिवसीय खेलने वाले सातवें भारतीय क्रिकेटर बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। विराट 300 एकदिवसीय खेलने वाले सातने भारतीय क्रिकेटर बने हैं।

विराट इस मैच में उतरते ही महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली और युवराज सिंह के 300 एकदिवसीय खेलने के क्लब में शामिल हो हो गये। विराट कोहली ने 300 एकदिवसीय की 288 पारियों में 14085 रन बनाये हैं। वह इस प्रारुप में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं उन्होंने 73 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका औसत 58.2 का का है। विराट हालांकि अपने 300 वें मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन 18426 बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। इसके बाद श्रीलंका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगाकारा ने 404 मैच खेलते हुए 25 शतक के जरिए 14234 रन बनाए थे। वहीं विराट कोहली 14085 रनों के साथ नंबर तीन पर हैं।

रोहित शर्मा के नाम जुड़ा अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड, बतौर कप्तान लगातार 10 टॉस हारने वाले तीसरे कप्तान बने

दुबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का 12वां मुकाबला खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत और न्यूजीलैंड मैच में टॉस होते ही भारतीय टीम वनडे में लगातार 13वीं बार टॉस हार गई है। इस शर्मनाक रिकॉर्ड में बतौर कप्तान रोहित शर्मा का योगदान सबसे ज्यादा रहा है।

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दौरान भारत 13वीं बार टॉस हारा है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने कुल तीन मैच खेले हैं और तीनों ही मैचों में रोहित टॉस हार गए हैं। हालांकि, मैच में टीम को जीत नसीब हुई है। बतौर कप्तान रोहित शर्मा लगातार 10वीं बार वनडे में टॉस हार चुके हैं। इसके साथ ही उनका नाम एक अनचाहे रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया है। रोहित से ज्यादा बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है। लारा अक्टूबर 1998 से मई 1999 तक कुल 12 बार टॉस हारे थे। वहीं पीटर बोरेन मई 2011 से अगस्त 2013 तक 11 बार टॉस हार चुके हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नंवबर 2023 से मार्च 2025 तक कुल 10 बार टॉस गंवा चुके हैं। बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल से टीम इंडिया का टॉस हारने का सिलसिला जारी है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नवंबर 2023 में आखिरी बार वनडे में टॉस जीता था। जिसके बाद कुल 13 बार टॉस हुए हैं और भारतीय टीम ने सभी टॉस गंवाए हैं। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ने तीन वनडे सीरीज खेली है और इन सीरीज में सभी टॉस हारे हैं। इस दौरान केएल राहुल ने भी टीम की कमान संभाली थी।

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान के बाहर होने से स्थानीय फैंस का क्रेज खत्म, सेमीफाइनल पर पड़ेगा असर

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसकों ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी टीम के जल्दी बाहर होने और रमजान की शुरुआत के बाद टूर्नामेंट को लेकर रुचि खो दी है। शनिवार को इंग्लैंड-दक्षिण अफ्रीका मैच के लिए यहां नेशनल स्टेडियम में मुश्किल से कुछ हजार लोग थे और आयोजन स्थल पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने राहत की सांस ली कि उनके लिए टूर्नामेंट लगभग खत्म हो गया है।

स्टेडियम में तैनात एसएसपी इमरान जमील ने कहा, 'पिछले दो सप्ताह हमारे लिए कठिन और तनावपूर्ण रहे हैं, इसलिए अब हम काफी राहत महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड के साथ मैच में भी अपेक्षाकृत शांति रही।' 19 फरवरी को कराची में शुरू हुए चैंपियंस ट्रॉफी मैचों के लिए कराची में कम से कम 7000 पुलिसकर्मी, अर्धसैनिक रेंजर्स और यहां तक ??कि कुछ सैन्य इकाइयां भी ड्यूटी पर थीं। लेकिन जमील ने कहा कि टीमों, अधिकारियों, मीडिया और प्रशंसकों के लिए राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान करने का काम इस मेगा इवेंट की शुरुआत से पहले ही शुरू हो गया था, क्योंकि लाहौर और कराची में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाली तीन देशों की प्रतियोगिता होने वाली है।

उन्होंने कहा, 'अब सुरक्षाकर्मी रमजान में सामान्य ड्यूटी पर लौट सकते हैं।' शनिवार को कॉलेज के दोस्तों के एक समूह के साथ आईं दो बहनों फरिहा और फैजा ने कहा कि पाकिस्तान के बिना चैंपियंस ट्रॉफी उनके लिए खत्म हो गई है। फैजा ने कहा, 'हम आज आए हैं, क्योंकि हमने पहले ही मैच के लिए टिकट खरीद लिए थे।'

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घोषणा की है कि रावलपिंडी में बारिश के कारण रद्द हुए दो मैचों के लिए अलग-अलग परिसरों के लिए टिकट लाने वाले सभी दर्शकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा। बुरी खबर यह है कि जिन प्रशंसकों ने आतिथ्य और गैलरी दृश्यों के लिए प्रीमियम का भुगतान किया था, उन्हें कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा। टूर्नामेंट के तीन मैच बारिश से प्रभावित रहे, जिनमें से आखिरी मैच अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच लाहौर में भारी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

क्रिकेट पत्रकार और विश्लेषक महमूद रियाज ने कहा कि घरेलू टीम के प्रदर्शन के कारण चैंपियंस ट्रॉफी थोड़ी निराशाजनक रही। उन्होंने कहा, 'हम इतने सालों के बाद एक बड़े आईसीसी इवेंट की मेजबानी कर रहे थे और लोग उत्साहित थे, लेकिन टीम ने वास्तव में सभी को निराश किया।' 65 वर्षीय तौसीफ सिद्दीकी ने नेशनल स्टेडियम में कभी भी कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, 'त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में और 19 मार्च को न्यूजीलैंड से पाकिस्तान को दो बार हारते देखना हमारे लिए बहुत बड़ी निराशा थी।' उन्होंने कहा कि कराची में होने वाले मैचों के लिए अपने और अपने दोस्त के लिए टिकट खरीदने पर लगभग 60,000 पाकिस्तानी रुपए खर्च किए थे।

विशेषज्ञों का मानना है कि रविवार से रमजान शुरू होने के कारण सेमीफाइनल के लिए लाहौर में भी भीड़ जुटाना मुश्किल होगा। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, 'आम तौर पर लोग रमजान के पहले दो हफ्तों में उपवास तोड़ने के बाद घर पर रहते हैं और तरावीह की नमाज पढ़ते हैं और वे पवित्र महीने के पहले 15-20 दिनों के बाद इफ्तार के बाद ही बाहर निकलते हैं।'

पीसीबी गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले सेमीफाइनल के लिए मुफ्त इफ्तार बॉक्स उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने दुबई में होने वाले मैचों के लिए किया है। उन्होंने कहा, 'अगर सेमीफाइनल के लिए बड़ी संख्या में भीड़ नहीं होगी तो यह निराशाजनक होगा। यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।'

अफगानिस्तान के खिलाड़ी धैर्य रखकर खेलें तो आने वाले समय में जीत सकते हैं आईसीसी ट्रॉफी : स्टेन

जोसंसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान टीम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह इसी प्रकार का प्रदर्शन करती रही तो आने वाले समय में आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है। स्टेन के अनुसार अभी देखा जाये तो अफगानिस्तान की टीम पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश से आगे नजर आती है। अफगानिस्तान की टीम भारत के बाद एशिया की दूसरी सबसे अच्छी टीम बनकर उभरी है। स्टेन के अनुसार अफगानिस्तान के खिलाड़ी जिस दिन संयम से खेलना सीख लेंगे। उस दिन ववे आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार अफगानिस्तान की टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी। तब उसने इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था जबकि पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम में वह सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। ऐसे में अब अफगान टीम सफेद गेंद के टूर्नामेंट में एक मजबूत टीम बनती जा रही है। स्टेन ने कहा, 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम सोशमी मीडिया की स्टोरी को भी मुश्किल से दो सेकंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। वह एक बार जब इसे हासिल कर लेंगे तो आने वाले समय में आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।' स्टेन ने कहा, 'वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जायें कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। टीम गेंदबाजों में संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में ही उसे बल्लेबाज छक्का मारने का प्रयास करते हैं।

हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है : ब्रेंडन मैकुलम

स्पोर्ट्स डेस्क । इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम लगातार दो आईसीसी वनडे टूर्नामेंटों से पहले दौर में बाहर होने के बाद काफी मुश्किल में है। इंग्लैंड पहले भारत में 2023 वनडे विश्व कप और अब पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गया। दोनों टूर्नामेंटों में खराब प्रदर्शन का एक जैसा ही नजारा देखने को मिला। बल्लेबाजी आक्रमण में 50 ओवरों का सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग करने के लिए कोई खाका नहीं था और तेज गति के गेंदबाजों के बावजूद गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिख रहा था। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने टूर्नामेंट के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट से हार के बाद कहा, 'हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, जाहिर तौर पर हम बहुत निराश हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें टूर्नामेंट को धमाकेदार तरीके से खत्म करने की बहुत उम्मीद थी, लेकिन हम बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हमें अभी बहुत काम करना है। हम अगले कुछ हफ्तों में अपनी सोच को बदलेंगे और अपने सफेद गेंद वाले क्रिकेट में सुधार के लिए प्रयास करना शुरू करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम इस पर पूरी तरह से ध्यान दें और ऐसा तरीका खोजें जिससे हम खुद को उस स्थिति में वापस ला सकें जहां हमें होना चाहिए।' मैकुलम ने कहा कि भारत में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला इंग्लैंड के लिए टूर्नामेंट के लिए अच्छी तरह से तैयार होने का एक अच्छा अवसर था। हालांकि वे द्विपक्षीय मैच में भारत के खिलाफ अपनी व्यापक हार से सीखने में विफल रहे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी इसी तरह की गलतियां दोहराई गईं। इंग्लैंड के कीवी कोच ने स्वीकार किया, 'मुझे लगा कि भारत ने वास्तव में हमारे लिए अच्छी तैयारी की, भले ही हम वहां आसानी से हार गए। मुझे लगा कि यह एक प्रमुख टूर्नामेंट में आने से पहले जितनी अच्छी तैयारी हो सकती थी, उतनी ही थी और जाहिर है कि हमारे पास पहले दो मैचों में अपना मौका था, लेकिन आज रात हमने जो देखा, वह शायद इस बात का उदाहरण था कि हम टूर्नामेंट से बाहर क्यों हैं। जब दबाव डाला गया तो हम उसका सामना नहीं कर पाए और हम अपना रास्ता नहीं बना पाए और मुझे लगता है कि मैंने कल फिर से आपसे कहा था कि मुझे लगा कि हममें आत्मविश्वास की कमी है और मुझे लगता है कि आज इसका एक और उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलिया का 'नीली जर्सी' से 36 का आंकड़ा, ट्रेविस हेड बना बड़ा खतरा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस तरह खाने की चीज़ देखकर मुँह में पानी आ जाता है या बच्चों को खिलौना देखकर खुशी मिलती है, उसी तरह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को नीली जर्सी वाली टीमों को हराने में अलग ही जोश आता है। कंगारू टीम के लिए जैसे ही नीली जर्सी सामने आती है, उनकी रगों में उबाल आ जाता है और वे अपने पुराने अंदाज में लौट आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला।

हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया से अब तक सामना नहीं हुआ, लेकिन फिर भी दो ऐसी टीमें थीं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरीं और दोनों टीमें इंग्लैंड और अफगानिस्तान का हश्र एक जैसा रहा। संयोग से दोनों ही टीमों की जर्सी नीले रंग की थी और दोनों को कंगारुओं ने मात दी। ऑस्ट्रेलिया के रेगुलर कप्तान पैट कमिंस, स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद यह टीम जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। जब इंग्लैंड ने लाहौर में 351 रन बनाए तो ऐसा लगा कि वे मुकाबला जीत लेंगे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लिस के शतक की बदौलत यह लक्ष्य भी हासिल कर लिया। इसके बाद अफगानिस्तान को भी कंगारुओं ने करारी शिकस्त दी।

ऑस्ट्रेलिया की इस लय के पीछे एक नाम है ट्रेविस हेड। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए नीली जर्सी वाली टीमों के खिलाफ खेलना जैसे किसी मिशन से कम नहीं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने 40 गेंदों पर 60 रन ठोक डाले, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट 147 का रहा। अगर थोड़ा पीछे जाएं, तो 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भी यही हुआ था। भारत के खिलाफ हेड ने 120 गेंदों पर 140 के स्ट्राइक रेट से 137 रन जड़ दिए थे, जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उस पारी ने भारत का तीसरी बार वर्ल्ड कप जीतने का सपना तोड़ दिया था। इतना ही नहीं, 2023 में हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया और भारत का आमना-सामना हुआ था, और वहां भी हेड ने शतक ठोककर भारत को शिकस्त दिलाई थी।

भारत को रहना होगा सतर्क!

इतिहास गवाह है कि ऑस्ट्रेलिया जब भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले में भारत से भिड़ा है, उसने ज्यादातर मौकों पर बाजी मार ली है। भारत अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है, और अगर फाइनल में उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होता है, तो रोहित शर्मा एंड कंपनी को कंगारुओं से बचने के लिए खास रणनीति बनानी होगी। क्या इस बार भारत 'नीली जर्सी' के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अजेय रिकॉर्ड को तोड़ पाएगा? यह देखना दिलचस्प होगा!

प्रज्ञानानंदा ने लगातार अपनी दूसरी जीत हासिल की, जर्मनी के विंसेंट केमेर को दी मात

मुम्बई । ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए जर्मनी के विंसेंट केमेर को हराया और अब प्राग मास्टर्स शतरंज के चौथे दौर के बाद वह तीन अंक लेकर अराविंद चिदंबरम के साथ टॉप पर है। अराविंद ने अमेरिका के सैम शांकलैंड के साथ ड्रॉ खेला जबकि टॉप वरीयता प्राप्त चीन के वेई यि ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराया। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उनकी बाजी तुर्किए के गुरेल एडिज के साथ बराबरी पर रही। चेक गणराज्य के ग्रैंडमास्टर एंगुयेन थाई देइ वान ने वियतनाम के कुआंग लेइम ली से ड्रॉ खेला। शांकलैंड, केमेर, गिरि और ली संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंदा का सामना अगले दौर में अराविंद से होगा जिसमें वह सफेद मोहरों से खेलेंगे। चैलेंजर वर्ग में दिव्या देशमुख ने चीन की मा कुन से ड्रॉ खेला और अब चार मुकाबलों के बाद उनके डेढ अंक हैं। बता दें कि, इससे पहले आर प्रज्ञानानंदा ने डी गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज खिताब जीता था। पहली बार किसी भारतीय ने ये खिताब अपने नाम किया था।

बटलर के बाद कौन होगा इंग्लैंड का कप्तान? टीम में हैं तीन मजबूत दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में सोचेंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टीम के आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी करते नजर आएंगे, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम का कप्तान कौन होगा? इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक ने कुछ महीने पहले की थी। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान रह चुके हैं और वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनकी टीम ने 3-2 से हराया था। मौजूदा समय में इंग्लैंड के बाहर उनसे रन नहीं बन रहे हैं। इसके बावजूद उनकी दावेदारी कप्तानी के लिए मजबूत लग रही है।

इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट की लोकप्रियता भी कम नहीं है। इंग्लैंड की टीम को कई बार बेन डकेट ने संघर्षों से बाहर निकाला है। उन्होंने मध्य क्रम में भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। वह तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं और एक सीनियर प्लेयर हैं। उनके साथ समस्या है कि जब भी वह बोलते हैं तो इंग्लैंड के प्रशंसकों को परेशान कर देते हैं। उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से अच्छा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जीते, लेकिन ऐसा नहीं कर पर पाए। इसमें कुछ बुरा नहीं है।

अगर इंग्लैंड की भारत से पहले की सीरीज देखें तो वहां लियाम लिविंगस्टोन ने प्रभावित किया था और एक शतक जड़ा था। वे मैच्योर प्लेयर हैं और सीधे साफ बोलने के लिए मशहूर हैं। वे शॉर्ट फॉर्मेट में उनकी टीम में जगह भी फिलहाल पक्की है। ऐसे में वे कप्तानी के दावेदार हैं। इसके अलावा जो रूट और बेन स्टोक्स भी ब्रैंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' : सेबेस्टियन को

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी। भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने 'पीटीआई' से विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।'' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीये, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्होंने भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए।

'मैंने वेट्रेस के तौर पर काम किया' : गुजरात जायंट्स की ऑलराउंडर का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स की इंग्लिश ऑलराउंडर डेनियल गिब्सन ने खुलासा किया कि वह पूर्णकालिक क्रिकेटर बनने से पहले वेट्रेस के तौर पर काम करती थीं, हालांकि उन्हें यह पसंद नहीं था। गिब्सन ने पैसे कमाने के लिए एक स्थानीय पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। उन्होंने WPL 2025 मिनी-नीलामी में जायंट्स से 30 लाख रुपए का अनुबंध हासिल किया। गिब्सन ने 22 टी20आई में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है। हालांकि वह महिला प्रीमियर लीग में अपना व्यापार करके अच्छी खासी कमाई कर रही हैं, लेकिन हमेशा से ऐसा नहीं था। गिब्सन ने रैपिड-फायर सेशन के दौरान बोलते हुए कहा, 'मैंने इंग्लैंड में एक पब में वेट्रेस के तौर पर काम किया। मुझे इसमें मजा नहीं आया।'

उसी वीडियो में गिब्सन ने बताया कि पहली बार वह 18 साल पहले लॉर्ड्स में लाइव क्रिकेट मैच देखने गई थी, जब वह सिर्फ छह साल की थी। उसने आगे बताया कि वह अपने भाइयों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलते हुए देखने गई थी। जब गिब्सन से उनके पहले क्रिकेट हीरो के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ का नाम लिया। उन्होंने बताया कि उनका पहला फोन सैमसंग टचस्क्रीन डिवाइस था। जब उनसे उनके पहले टैटू के बारे में पूछा गया तो गिब्सन ने कहा, 'मुझे क्रिकेट पसंद नहीं, बहुत पसंद है। 2001 में ग्लॉस्टरशायर में जन्मी गिब्सन ने जुलाई 2023 में बर्मिंघम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई में इंग्लैंड के लिए पदार्पण किया। वह आखिरी बार पिछले महीने नॉर्थ सिडनी में गवर्नर-जनरल XI महिलाओं के खिलाफ महिला एशेज टूर गेम में नजर आई थीं, जहां उन्होंने 3-0-14-0 की अच्छी गेंदबाजी की थी। जायंट्स के अलावा गिब्सन एडिलेड स्ट्राइकर्स और लंदन स्पिरिट के लिए भी खेल चुके हैं। इस बीच एशले गार्डनर ने 31 गेंदों पर 58 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर टीम की अगुआई की जिससे निचले पायदान पर मौजूद जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर छह विकेट से जीत दर्ज करके अपनी हार का सिलसिला तोड़ा। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए जायंट्स ने डिएंड्रा डॉटिन (2/31) और तनुजा कंवर (2/16) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बेंगलुरु को 125/7 के औसत स्कोर पर ही रोक दिया। जायंट्स ने बेंगलुरु के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए सिर्फ 17 ओवर लिए और अब उनका अगला मुकाबला 3 मार्च को लखनऊ में यूपी वॉरियर्स से होगा।

सिकंदर की स्क्रिप्ट में आखिरी समय पर हुआ बदलाव, सलमान खान ने फिल्माया फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट गाना

सलमान खान ने हाल ही में सऊदी अरब में एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सुपरस्टार 24 फरवरी को खाड़ी में वापस लौटे और बीते दिन सिकंदर के लिए फिर शूटिंग की। दरअसल, एआर मुरुगादोस की एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से खत्म होने वाली है, लेकिन इस बीच निर्माताओं ने आखिरी समय में एक पोस्ट-क्रेडिट गाना शामिल करने का फैसला किया। टीम वर्तमान में गोरेगांव के फिल्म सिटी में रॉयल गोल्ड स्टूडियो में फुट-टैपिंग नंबर की शूटिंग कर रही है।

आखिरी समय पर जोड़ा गया गाना

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गाना आखिरी समय में जोड़ा गया था, लेकिन सलमान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला को लगा कि यह दर्शकों का ध्यान खींचने का एक शानदार तरीका होगा। इसे बहुत बड़े पैमाने पर शूट किया जा रहा है और यह प्रमोशनल धमाकेदार अभियान का एक अभिन्न हिस्सा होगा।

इस दिन पूरी होगी फिल्म की शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो अगले हफ्ते तक टीम इस ट्रैक को पूरा कर लेगी। इसके साथ ही मुरुगादॉस 8 मार्च को सिकंदर की शूटिंग पूरी कर लेंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। यह शूटिंग शुरुआती योजना से थोड़ी देर बाद होगी। टीम को राजकोट में दो दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन वे हिस्से पहले ही मुंबई में शूट हो चुके हैं।

सलमान खान के लिए खास गाना

फिल्म की टीम के अनुसार, सलमान की फिल्मों में गानों की भूमिका हमेशा अहम रही है, चाहे वह जुम्मे की रात हो या स्वैग से स्वागत। इस ट्रैक के लोगों की यादों में बने रहने की उम्मीद है। इस वजह से आखिरी समय पर फिल्म में यह गाना डाला गया है, ताकि यह चार्टबस्टर बन सके। वहीं, इस साल का सबसे मशहूर गाना भी हो।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

वहीं बात करें सिकंदर के कलाकारों की बारे में तो एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद के मौके पर 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

फिल्में हैं पहला प्यार लव लाइफ के बारे में बोलीं सामांथा रुथ प्रभु

सामांथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। सिटाडेल फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

इन प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। सामांथा ने बताया है कि वह जल्द ही बंगाराम फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि रक्त ब्रह्मांड सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है।

फिल्म है सामांथा का पहला प्यार

सामांथा रुथ प्रभु ने बताया मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं। उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार सिटाडेल; हनी बनी में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था।

लव लाइफ को प्राइवेट रखेंगी

सामांथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।

मैंने कभी भी एक जैसा रोल नहीं निभाया

भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हस्बैंड कर बीवी रिलीज हो गई है। इस फिल्म में उनके साथ अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी लीड रोल में हैं। अब भूमि ने एक इंटरव्यू में कहा... मैंने कभी एक ही तरह की महिला का किरदार नहीं निभाया। मैंने हमें एक अलग बोली अपनाई है। अपनी फिल्मों के लिए मेरी भाषा पर पकड़ और नियंत्रण बहुत अच्छा है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं कभी एक तय खांचे में फिट रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस डर से काम के लिए ना नहीं करने वाली कि मुझे एक निश्चित किरदार के साथ सीमित कर दिया जाएगा। मैं इसकी चिंता नहीं करती। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि पिछले 10 सालों में मुझे अलग-अलग काम करने का अवसर मिला है। मुझे अपने काम पर बहुत गर्व है। मैं जानती हूं कि महिलाएं हमेशा सवालों के कटघरे में रही हैं और रहती हैं।

कैंसर के इलाज के बाद शूटिंग पर लौटने के लिए तैयार शिवा राजकुमार, आरसी 16 पर साझा किया अपडेट

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार ने हाल ही में कैंसर से अपनी लड़ाई और कीमोथेरेपी के दौरान फिल्मांकन के दौरान सामना किए गए संघर्षों के बारे में बात की। जब अभिनेता को कैंसर का पता चला था तो उन्हें सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी कैंसर संस्थान में भर्ती कराया गया था। अभिनेता एक सफल प्रक्रिया से गुजरे और अब वह अपनी आगामी फिल्मों के सेट पर लौटने के लिए तैयार हैं।

डरे हुए थे अभिनेता

हाल ही में शिवा राजकुमार ने बताया कि कैसे उन्होंने कीमोथेरेपी के दौरान काम करना जारी रखा। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला तो मैं डर गया, जैसा कि कोई भी होगा। डर का कारक हमेशा होता है, लेकिन सवाल यह था कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? आपको इसका सामना करना होगा। मैंने केवल एक ही सवाल पूछा कि क्या मैं यह प्रोजेक्ट 45 द मूवी पूरा कर सकता हूं।

इलाज के दौरान काम जारी रखा

उन्होंने आगे बताया, मैं डांस कर्नाटक डांस में जज भी था और अगर मैं कीमो लेता तो मेरे बाल झड़ जाते। मैं थोड़ा चिंतित था। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें जल्द ही थेरेपी शुरू करने की सलाह दी, लेकिन उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि वे आवश्यक उपचार के दौरान काम करना जारी रख सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या कीमोथेरेपी के दौरान एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान उन्हें दर्द का अनुभव हुआ तो शिवा राजकुमार ने कहा, मैं थका हुआ रहता था। मैं कीमो सेशन के दो दिन बाद ही शूटिंग के लिए जाता था। जब आप 45 का क्लाइमेक्स देखेंगे तो आप चौंक जाएंगे, यह सोचकर कि शिवन्ना ने ऐसा कैसे किया?... मुझे लगता है कि भगवान ने मुझे इससे बाहर निकलने में मदद की।

अभिनेता ने आगामी फिल्मों पर साझा किया अपडेट

उन्होंने अपने परिवार, फिल्म बिरादरी और अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन को भी स्वीकार किया, जिसने उन्हें इस स्थिति से बाहर निकलने में मदद की। साथ ही शिवा राजकुमार ने अपनी अगली फिल्मों पर भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मेरी 131वीं फिल्म की 20-25 प्रतिशत शूटिंग हो चुकी है। मुझे अब उस पर काम करना शुरू करना है। मैं राम चरण की फिल्म आरसी 16 में एक स्पेशल परफॉर्मेंस कर रहा हूं। मेरे पास हेमंत के साथ एक फिल्म है। उन्होंने आगे कहा, मैं 3 मार्च से अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू करूंगा। मैं 5 मार्च को हैदराबाद में राम चरण की आरसी 16 की टीम में शामिल हो जाऊंगा और 8 मार्च तक शूटिंग करूंगा।

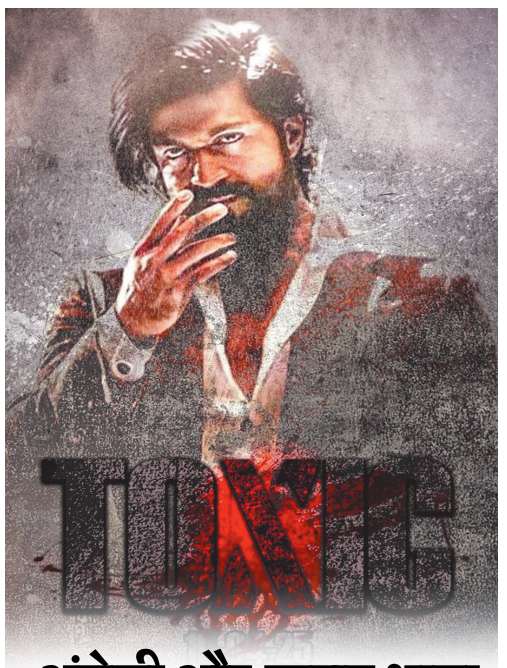

अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में होगी शूट टॉक्सिक

'केजीएफ' फेम एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक पहली ऐसी बड़े पैमाने की भारतीय फिल्म होगी जिसका लेखन और फिल्मांकन अंग्रेजी और भारतीय भाषा कन्नड़ दोनों में किया जाएगा। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। यश की 'टॉक्सिक' को निर्देशक गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। वह क्रॉस-कल्चरल स्टोरीटेलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट की गई इस फिल्म का उद्देश्य विश्व स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है। कन्नड़ भारतीय दर्शकों को बारीकियों से समझती है, जबकि अंग्रेजी दुनिया भर में इसकी पहुंच सुनिश्चित करती है। फिल्म को लेकर इसकी निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, टॉक्सिक के लिए हमारा विजन एक ऐसी कहानी तैयार करना था, जो भारत और वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ तालमेल बिठा सके। हमने कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों में कहानी की बारीकियों को पकड़ने का प्रयास किया है, जिससे अलग-अलग भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के दर्शकों के लिए एक प्रामाणिक मिल सके। टॉक्सिक कलात्मक दृष्टि और व्यावसायिक कहानी कहने की सटीकता रखती है। इसे दुनिया भर के दिलों और दिमागों से जुड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

मेकर्स को पठान का प्रीक्वल बनाना चाहिए

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म डिप्लौमेट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लौमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म पठान का प्रीक्वल भी बनाएं। एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं... मैं किसी फ्रैंचाइज फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म पठान में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था। आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैंक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे। पठान में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। जॉन फिल्म डिप्लौमेट के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें तेहरान और तारिक जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

मैं स्मिता पाटिल का बोया हुआ एक छोटा सा पेड़ हूं

इन दिनों अपनी वेब सीरीज ऊप्स! अब क्या? को लेकर चर्चा बटोर रहीं सोनाली थिएटर से लेकर मराठी सिनेमा, हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी, हर जगह सक्रिय हैं। ऐसे में सोनाली से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत -

आपने महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में रितिक रोशन की मां का रोल किया था, जबकि करियर के शुरुआत में ही दायरा जैसी बोल्ड फिल्म के हां कहना भी हिम्मत का काम है। यह हिम्मत कहां से लाती हैं?

निश्चित तौर पर यह साहसी काम है। मिशन कश्मीर मेरी पहली बड़ी कमर्शल फिल्म थी, जिसमें मैं एक मां थी। अभी ऊप्स ! अब क्या? में भी मैं एक मां हूं, पर मेरे बच्चे छोटे होते जा रहे हैं (हंसती हैं)। मिशन कश्मीर में बेटा बड़ा था, जबकि आज 25 साल बाद इस सीरीज में बच्ची छोटी है। ये इंडस्ट्री का कॉम्प्लिमेंट है मेरे लिए कि वे मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल कर रहे हैं, क्योंकि हम देखते-सुनते आए हैं कि आप पर एक टैग लग जाता है, तो फिर वैसा ही काम मिलता है, पर मैं अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग जॉनर में लगातार काम करती रही, क्योंकि विधु वनोद चोपड़ा, फरहान अख्तर, राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा दिखाया। इसलिए लगा कि मुझे क्यों डरना चाहिए। अगर मैं जब्बार पटेल के साथ मुक्ता या डॉक्टर अंबेडकर जैसी फिल्में नहीं करती तो मुझे देश की सोशियो पॉलिटिकल सिचुएशन समझ ही नहीं आती। जब आप काबिल लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपकी सोच बड़ी होती है। दायरा ने मुझे सिखाया कि असल मर्दानगी क्या होती है? एक औरत होना क्या होता है? तो जो स्कूल और कॉलेज ने मुझे नहीं सिखाया, वह फिल्मों ने सिखाया है।

सीरीज में आपका ऑनस्क्रीन मां अपरा मेहता और बेटी श्वेता बसु के साथ जो रिश्ता दिखाया गया है, वह बहुत ही खूबसूरत है। निजी जिंदगी में आपका अपनी मां और बेटी के साथ कैसा रिश्ता है?

मेरी मां जिस तरह की इंसान हैं, मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं बहुत ही निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। हमारे लिए हमारे संस्कार सबसे महत्वपूर्ण हैं। मेरी मां ने जो मूल्य हमें सिखाए कि किसी को ठेस ना पहुंचाओ, वक्त की कद्र करो और दुनिया में सबसे बड़ी कमाई अच्छा रिश्ता है, वे अब भी बरकरार हैं। मेरी मां बहुत मजेदार हैं। उनको किस्से सुनाना, लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। उनकी तबीयत अभी थोड़ी ठीक नहीं है, फिर भी हमेशा हंसती रहती हैं। वहीं, मेरी बेटी कावेरी उन्हीं का वर्जन है। बहुत क्रिएटिव है, पोएटिक है। वह 13 साल की है, मगर मुझे अच्छा लगता है कि वह काफी मासूम है। वरना उसकी उम्र के बच्चों को मैं देखती हूं कि वे अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर हैं। वह सेंसिटिव है। आसपास वाले उसे नेचर लवर कावेरी बोलते हैं। मैं भी उसे यह आजादी देती हूं कि उसे जो पसंद है वो करे। जैसे, मेरी सोसायटी में बहुत से बच्चे स्केट्स करते हैं, वह नहीं करती है, तो मैं जबरदस्ती नहीं करती। जरूरी नहीं कि हर बच्चा एक रेस में दौड़े।

कई बार आपकी तुलना महान स्मिता पाटिल से भी होती है। आपको स्मिता पाटिल सम्मान से भी नवाजा गया है। इसे कितनी जिम्मेदारी से लेती हैं?

जब शुरू में मैंने यह सुना तो सातवें आसमान में पहुंच गई थी। मैं स्मिता पाटिल की बहनों से मिली थी और उनकी आंखों में जब यह बात देखी तो खुशी हुई। मगर बाद में लगा कि लोग क्या बोल रहे हैं। मेरी स्टाइल अलग है। आपको एक किस्सा सुनाती हूं। मेरी दिल चाहता है रिलीज हो गई थी। हर तरफ फिल्म की चर्चा थी। हमारा एक बड़ा इवेंट था। वहीं, मेधा पाटकर एक नाटक के लिए आने वाली थीं। मैं मेधा जी से मिली, उन्हें कहा कि आपकी बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने मुझे गले लगाया और पूछा-आपका नाम? मैं दंग रह गई कि इन्होंने मुझे पहचाना नहीं। मुझे लग रहा था कि मुझे तो सब जान चुके हैं, दिल चाहता है के बाद। बाद में मैंने एक लेख लिखा। असल में, स्मिता पाटिल मेरे स्कूल में आई थीं। मैंने स्मिता जी के साथ मिलकर एक पेड़ लगाया था, तो मैंने लिखा- मैं एक छोटा सा पेड़ हूं, जो स्मिता ताई ने बोया है। इसलिए, मैं बहुत कृतज्ञता से इस कॉम्प्लिमेंट को स्वीकार करती हूं।

सीरीज में ऐसी ऊप्स हैं, जब हालात किसी के कंट्रोल में नहीं होते। आपके साथ कभी ऐसा उप्स मोमेंट हुआ है?

सिंघम की शूटिंग के दौरान हुआ था। मेरे हिस्से का शूट खत्म हो गया था। मैं प्रेग्नेंट थी तो सबने बधाई दी। फिर 4-5 महीने बाद फोन आया कि सोनाली तुम्हें एक सीन करना पड़ेगा, क्योंकि सिंघम की कहानी तुमसे शुरू होती है तो आखिर में एक सीन में तुम्हारा रहना जरूरी है। मैंने कहा कि मैं तो प्रेग्नेंट हूं, तो सबने कहा कि अरे हां, तुमने बताया था। कितने महीने हुए, तो मैंने कहा कि मैं प्रेग्नेंट दिख रही हूं। साढ़े छह महीने हो चुके थे, तो उन्होंने कहा कि कोई नहीं, मिड शॉट ले लेंगे, डार्क कलर दे देंगे पर जब मैं सेट पर गई तो रोहित सर और अजय दोनों खड़े हो गए कि फिल्म की शुरुआत होती है कि अजय एक विधवा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और फिल्म के अंत में वो विधवा प्रेग्नेंट है। मेरे लिए वह बड़ा ऊप्स मोमेंट था।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक सौरभ वार्ष्णेय द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली से मुद्रित कराकर सी-1/9, तृतीय तल, संजय एंकलेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली -110059 से प्रकाशित किया।
संपादक - सौरभ वार्ष्णेय, आर.एन.आई नं DELHIN/2016/71693 (किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा नई दिल्ली क्षेत्र के न्यायालय में ही मान्य होगा) (फोन नं. 01204445274, संपादकीय- 9673140113, विज्ञापन-प्रसार 9319720113)